बसंत पंचमी : मां हृदय में ज्ञान भर दे

कालीन नगरी – मिर्जापुर

संपर्क | सहयोग | संस्कार | सेवा | समर्पण

स्वस्थ-समर्थ-संस्कारित भारत ◆ Swasth-Samarth-Sanskarit Bharat

नीति Niti

भारत विकास परिषद् तमसो मा ज्योतिर्गमय स्था. 1963 ®

माघ-फाल्गुन | February 2022

अंक 2 | पृष्ठ 32 | Rs. 10

दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आज़ाद ही रहे हैं आज़ाद ही रहेंगे

चंद्रशेखर आज़ाद

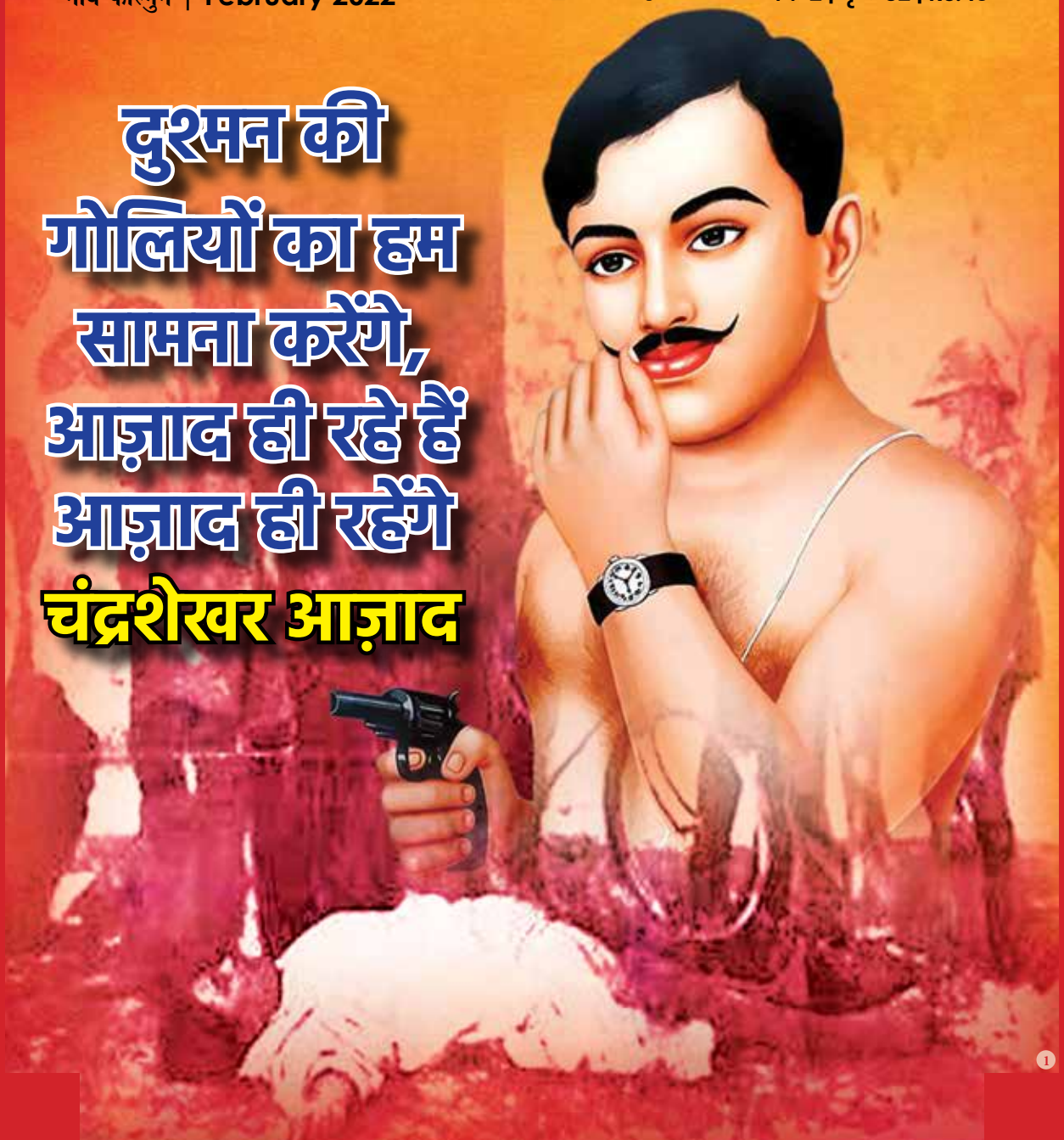

सरस्वती वंदना

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा।।1।।

अर्थ : जो विद्या की देवी भगवती सरस्वती कुन्द के फूल, चंद्रमा, हिमराशि और मोती के हार की तरह धवल वर्ण की हैं और जो श्वेत वस्त्र धारण करती हैं, जिनके हाथ में वीणा-दण्ड शोभायमान है, जिन्होंने श्वेत कमलों पर आसन ग्रहण किया है तथा ब्रह्मा, विष्णु एवं शंकर आदि देवताओं द्वारा जो सदा पूजित हैं, वही संपूर्ण जड़ता और अज्ञान को दूर कर देने वाली माँ सरस्वती हमारी रक्षा करें।

शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमाम् आद्यां जगद्व्यापिनीम्।
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्
हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीम् पद्मासने संस्थिताम्।
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्।।2।।

अर्थ : जिनका रूप श्वेत है, जो ब्रह्मविचार की परम तत्व हैं, जो सब संसार में फैले रही हैं, जो हाथों में वीणा और पुस्तक धारण किये रहती हैं, अभय देती हैं, मूर्खतारूपी अन्धकार को दूर करती हैं, हाथ में स्फटिकमणि की माला लिए रहती हैं, कमल के आसन पर विराजमान होती हैं और बुद्धि देनेवाली हैं, उन आद्या परमेश्वरी भगवती सरस्वती की मैं वन्दना करता हूँ।

58 Years
In the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

February 2022 No. 02 Vol XXXXXIVVXVXVXVXXV
सृष्टि संवत् : 1, 96, 08, 53, 122 शकसंवत् 1943
माघ-फाल्गुन 2078 दयानन्दाब्द 199 कलि संवत् 5124

नीति / Niti

National President
GAJENDRA SINGH SANDHU
Rudrapur | +91-9412136841

National Vice President (HQ)
MAHESH BABOO GUPTA
Noida | +91-9811226601

National Secretary General
SHYAM SHARMA
Kota | +91-9829038190

National Finance Secretary
SAMPAT KHURDIA
Mumbai | +91-9821139149

National Organising Secretary
SURESH JAIN
Delhi | +91-9974399944

National Chairman Prakashan
DR SURESH CHANDRA GUPTA
Farrukhabad | +91-9415334709

National Secretary Prakashan & Editor Niti
MANOJ AVASTHI
Ghaziabad | +91-9891153495

नीति समाचार भेजने के लिए केवल- niti@bvpindia.com का प्रयोग करें।

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website **www.bvpindia.com**

Published & Printed by Shyam Sharma for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: DEEYA MEDIA ART, D-41/A, Opposite Metro Pillar No. 33, Vikas Marg, Laxmi Nagar, Delhi-110092, Ph.: 9312550335

"जिन्दगी में दो तरह के लोगों से हमेशा दूर रहना चाहिए, एक व्यस्त और दूसरा घमंडी। क्योंकि व्यस्त लोग अपनी मर्जी से बात करेंगे और घमंडी अपने मतलब से याद करेगा।"

IN THIS ISSUE

सम्पादकीय	4
बसंत पंचमी : ऋतु बसंत के आगमन	5
चन्द्रशेखर आजाद	7
स्वास्थ्य	9
कालीन नगरी - मिर्जापुर	14
विविध गतिविधियां	15
नारी सशक्तिकरण व समसामयिक चुनौतियां	27
सन्त रविदास जी	29
नेत्रदान-देहदान	31

फरवरी मास के पर्व

05 : वसंत पंचमी / सरस्वती पूजा
16 : गुरु रविदास जयन्ती
19 : छत्रपति शिवाजी जयन्ती
26 : महर्षि रविदास जयन्ती
27 : चन्द्रशेखर आजाद शहादत
28 : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

Central & Regd. Office:
Bharat Vikas Bhawan
Behind BD Block DDA Market, Power House Road, Pitampura, Delhi -110034
Ph: 011-27313051, 27316049
e-mail : bvp@bvpindia.com
niti@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy

Please forward news at niti@bvpindia.com

चौदह वर्ष की आयु में कुछ छात्रों के साथ आंदोलन में भाग लेने जाते हुए पुलिस ने पकड़ लिया और बर्बरता पूर्वक पीठ पर पंद्रह कोड़े मारे। हर कोड़े पर बालक ने वन्दे मातृरम का उद्घोष किया। तभी से चन्द्रशेखर का नाम चन्द्रशेखर आज़ाद पड़ा। महात्मा गांधी द्वारा असहयोग आन्दोलन असमय स्थगित करना चन्द्रशेखर आज़ाद को नहीं भाया। वे 'हिन्दुस्तानी प्रजातंत्र संघ' में शामिल हो गए। इसके बाद उन्होंने हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसियेशन' के सक्रिय सदस्य बने। राम प्रसाद बिस्मिल के साथ मिलकर काकोरी काण्ड को अंजाम दिया और अंग्रेजी शाषन की नींव हिला दी। लाला लाजपत राय पर लाठियाँ चलवाने वाले साण्डर्स को गोलियों से भूना और नारा दिया "आज़ाद हूं आज़ाद ही रहूँगा" ऐसे निडर वीर क्रांतिकारी पं. चन्द्रशेखर आज़ाद को नमन।

स्वतंत्रता संग्राम का ऐतिहासिक चौरी-चौरा काण्ड 04 फरवरी 1922 को चौरी-चौरा गोरखपुर में हुआ था। स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों की आवाज़ मुखर करने वाला यह काण्ड असमय असहयोग आंदोलन को समाप्त करने का कारण बना। गोरखपुर जिले के चौरी-चौरा में इस दिन असहयोग आन्दोलन में शामिल क्रांतिकारियों की पुलिस से भिडंत हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशन फूँक दिया था। तीन नागरिक व 22 पुलिस कर्मियों की मौत हो गई थी। चौरी-चौरा के अभियुक्तों का मुकदमा पं. मदन मोहन मालवीय ने लड़ा व सबको बचा ले गए। हमें नई पीढ़ी को बताना होगा कि आज़ादी मात्र चरखे से नहीं मिली बड़ी पीड़ाएँ हमारी पीढ़ियों ने झेली। सभी वीर क्रांतिकारियों को शत् शत् नमन।

हमें नई पीढ़ी को बताना होगा कि आज़ादी मात्र चरखे से नहीं मिली बड़ी पीड़ाएँ हमारी पीढ़ियों ने झेली। सभी वीर क्रांतिकारियों को शत् शत् नमन।

संगठन की दृष्टि से वित्तीय वर्ष समापन की ओर है। परिषद् व इसकी शाखाएँ सतत् सामाजिक कार्य में संलग्न हैं और निरंतर सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रगतिशील हैं। यही व्यवस्था विधि चलती रहे इसलिए शाखा व प्रान्त स्तर पर दायित्व परिवर्तन की व्यवस्था है। नियमानुसार चयन प्रक्रिया द्वारा नए दायित्वधारी शाखाओं व प्रान्तों में चुने जाऐंगे व पुराने दायित्वधारियों एवं वरिष्ठों के मार्गदर्शन में सामाजिक व्यवस्था को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहेंगें।

माघ मास की पंचमी, बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का अविर्भाव दिवस माना जाता है। ज्ञान की देवी की पूजा अर्थात् सरस्वती पूजन का देश भर में चलन है। परिषद् की कई शाखाएं इस दिन हवन, पूजन, पाटी-पूजन, कविता, चित्रकला, रंगोली आदि के कार्यक्रम करती हैं। बसंत पंचमी की शुभकामनाएं।

मनोज अवस्थी
संपादक

बसंत पंचमी
ऋतु बसंत के आगमन

इतिहास साक्षी है कि सभ्यता के उदय के साथ ही ऋतु क्रम की स्थिति के अनुसार मानव मिलजुलकर उल्लास व उमंगमय वातावरण बनाने का प्रयास करते थे। इसी को पर्व या त्यौहार नाम से जाना जाता है। जब मनुष्य की शक्तियाँ व गतिविधियाँ समान रही होंगी तब उनके सोचने का तरीका भी स्वाभाविक रूप से एक सा रहा होगा। समान चिन्तन के द्वारा समग्र विकास के तथ्य को हमारे पूर्वजों ने निरखा परखा तथा विभिन्न ऋतुओं में भिन्न-भिन्न स्थानों पर वहाँ की देशीय मौलिकता व प्राकृतिक अवस्था के अनुसार भिन्न-भिन्न पर्वों का निरन्तर क्रमिक विकास होता गया।

कहना न होगा कि समस्त ऋतुओं में सर्वश्रेष्ठ बसंत ऋतु की विशेष उपादेयता व महत्ता है जो शीत ऋतु से कम्पित समस्त सृष्टि को नया उल्लास व उमंग प्रदान करते हुए जीवन्तता व कर्मठता प्रदान करती है। ऐसी स्थिति में सम्पूर्ण जगत में बसंत ऋतु के अवसर पर विविध प्रकार के आयोजन होते हैं जो सामाजिक समरसता के साथ-साथ संस्कारों के पोषक भी होते हैं।

पुराणों के अनुसार सृष्टि के आदि

काल में ईश्वर की इच्छा से आद्या शक्ति ने अपने को पांच भागों में विभक्त कर लिया था। वे राधा, पद्मा, सावित्री, दुर्गा और सरस्वती के रूप में भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न अंगों से प्रकट हुई थी, उस समय श्रीकृष्ण के कण्ठ से उत्पन्न होने वाली देवी का नाम सरस्वती हुआ।

आविर्बभूव तत्पश्चान्मुखतः परमात्मनः
एका देवी शुक्ल वर्णा वीणा पुस्तक धारिणी

श्री भगवती सरस्वती का तेज अत्यन्त दिव्य, ज्ञानमय व अपरिमेय है। इनकी महिमा अवर्णनीय अतुलनीय है।

माघ मास की (बसंत) पंचमी को देवी सरस्वती का आविर्भाव दिवस माना जाता है। अतः इस दिन इस दिव्यस्वरूपा माता की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। यहीं नही, बच्चों की शिक्षा प्रारम्भ करने से पूर्व भी सरस्वती पूजन का विधान किया गया है-

माघस्य शुक्ल पंचम्यां विद्यारम्भ दिनेऽपि च
ऽपिचं/पूर्वेऽह्नि संयमं कृत्वा तत्राह्नि संयतः शुचिः।

भारतीय संस्कृति में व्रत, पर्व व त्यौहारों की चिरन्तन काल से गौरवमयी समृद्ध परम्परा रही है। यहाँ वर्ष पर्यन्त किसी न किसी स्थान पर कोई न कोई व्रत या उत्सव मनाया जाता है। इन पर्वों के साथ किसी भी जाति विशेष का अटूट सम्बन्ध रहता है। साथ ही उस स्थान की संस्कृति की भी झलक देखने को मिलती है।

भारतवर्ष में दीपावली, होली, गणेश चतुर्थी, गौरी-पूजन, नवरात्रि आदि पर्वों के साथ साथ माघ मास के शुक्ल पक्ष में मनाये जाने वाले बसंत पंचमी पर्व का भी विशेष महत्व हैं।

बसंत के आगमन के साथ ही प्रकृति में नवीन परिवर्तन दृष्टिगत होने लगते हैं। चारों ओर खिली हुई पीली सरसों व हरियाली युक्त प्राकृतिक छटा मन को बरबस ही मोह लेती है। शीतकालीन ठिठुरन से शिथिल हुए अंग प्रत्यंगों में बसंत पंचमी के आगमन के साथ ही नवीन रक्त का संचार होने लगता है। जिससे शरीर को पुनः स्फूर्ति व क्रियाशीलता प्राप्त होती है।

इस दिन प्रकृति के अनुरूप ही पीले वस्त्र धारण किए जाते हैं। इसी दिन चंग अथवा ढप भी बजने प्रारम्भ हो जाते हैं जो आगामी होली त्यौहार के शीघ्र पदार्पण के संकेत देते हैं। इस ऋतु में प्राकृतिक सुन्दरता से मानव मन का एकाकार व उल्लासमय वातावरण अवर्णनीय होता है। इसे 'सारसोत्सव' भी कहा जाता हैं क्योंकि इस दिन विद्या, बुद्धि व ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता सरस्वती का पूजन किया जाता है। यह समस्त शास्त्रों के ज्ञान की दाता है। अतः इनकी निरन्तर आराधना व भक्ति करने वाले उपासकों के लिए ज्ञान की अजस्त्र स्त्रोत प्रवाहित होता रहता है। पुराणों के समवेत अनुशीलन से यह विदित होता है कि-महर्षि व्यास, वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र आदि अनेकानेक ऋषि भगवती सरस्वती की उपासना करके कृतार्थ हुए।

'श्रीं ह्रीं सरस्वत्यै स्वाहा'

इसका चार लाख जप करने से मन्त्र सिद्धि होती है।

'ऊँ नमो भगवति वाग्वादिनि वद् वद् स्वाहा'

यह दशाक्षर मन्त्र सर्वार्थ सिद्धिप्रद तथा सर्व विद्या प्रदायक माना जाता है।

विद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की महिमा अपरम्पार है। विद्या धनं सर्वध ान-प्रधानम्' अर्थात् सब धनों में विद्या धन प्रधान है अतः हमें सरस्वती की उपासना के रूप में समस्त वेद पुराण आदि ग्रन्थों का समादर करना चाहिए। प्रातः काल में उठकर देवी सरस्वती का ध्यान करना चाहिए। विद्यार्थियों को चाहिए कि अपनी पाठयक्रम की पुस्तकों को देवी की मूर्ति मानते हुए उनकी अच्छी तरह सम्भाल करें व भली भाँति पठन-पाठन करे तो निश्चय ही भगवती शारदा प्रसन्न होती है और श्रेष्ठ ज्ञान प्रदान करती है।

वस्तुतः अज्ञान के निवारण व ज्ञान की स्थापना के द्वारा ही समाज का उत्थान सम्भव हो सकेगा। इस दिशा में विवेकी व सत्पात्रों को आगे आकर समाज सेवा के पुनीत कार्यों में सहयोग करना होगा। तभी माँ सरस्वती की वरद अनुकम्पा बनेगी और माँ लक्ष्मी भी प्रसन्न होकर खिंची चली आयेगी।

शताब्दियाँ बीत जाने के पश्चात् भी पूरे विश्व में 'बसंतोत्सव' को किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। चाहे विज्ञान ने सर्वत्र इतनी तरक्की की है लेकिन इन प्राचीन परम्पराओं को अभी तक भी महत्ता दी जाती है जो सामाजिक सुदृढ़ता के लिए आवश्यक भी है और महत्वपूर्ण भी है। इस प्रकार के आमोद- प्रमोद पूर्ण संस्कारित कार्यक्रमों से नई पीढ़ी को निश्चय ही उज्ज्वल भविष्य हेतु दिशा प्राप्त हो सकेगी, ऐसा विश्वास है।

माँ सरस्वती से यही विनम्र प्रार्थना करते हैं कि -

सदाचार च्युत समाज को
माँ संस्कारों से संवार दो
उद्वेलित जीवन नैया को
भंवर से तुम निकाल दो

-डॉ. बसंती हर्ष, बीकानेर (राजस्थान)

चन्द्रशेखर आजाद

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आज़ाद को कौन नहीं जानता। चन्द्रशेखर आज़ाद के पूर्वज गाँव बदरका बैसवारा जिला उन्नाव के रहने वाले थे। एक बार अकाल पड़ने के कारण वे अपना मूल गाँव बदरका को छोड़कर मध्य प्रदेश की रियासत अलीराजपुर में रहकर अपनी जीविका चलाने लगे तथा गाँव भाबरा में अपना घर बनाकर रहने लगे। चन्द्रशेखर आज़ाद के पिता पंडित सीताराम तिवारी एवं माता श्रीमती जगरानी देवी था।

चन्द्रशेखर का जन्म 23 जुलाई सन 1906 को गाँव भाबरा में हुआ था। क्योंकि वह आदिवासी क्षेत्र होने के कारण चन्द्रशेखर आज़ाद का बचपन आदिवासी बच्चों के साथ खेलने में बीता। चन्द्रशेखर आज़ाद ने बचपन में ही धनुष बाण चलाना सीख लिया था। उनकी माता चन्द्रशेखर को उन बच्चों के साथ खेलते देखकर परेशान होती थी, वह चन्द्रशेखर को संस्कृत की पढ़ाई कराकर विद्वान बनाना चाहती थी। संस्कृत की पढ़ाई के लिए ही चन्द्रशेखर का दाखिला विद्यापीठ में कराया था, लेकिन चन्द्रशेखर बचपन से ही क्रांतिकारी विचार के थे।

पढ़ाई के दौरान ही सन 1919 में अमृतसर में जलियावाला बाग की नर संहार की घटना हुई जिसने चन्द्रशेखर के हृदय को विदीर्ण कर दिया जिसका चन्द्रशेखर के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा। उस घटना से चंद्रशेखर के अंतस में क्रांतिकारी भावों का विकराल पारावार हिलोरें भरने लगा तथा उसी घटना से प्रभावित होकर चन्द्रशेखर सन 1920 में महात्मा गाँधी जी के असहयोग आंदोलन में कूद पड़े। जब चन्द्रशेखर आज़ाद कुछ छात्रों के साथ आंदोलन में भाग लेने जा रहे थे तो उन्हें पकड़ लिया गया तथा उनके अपराध की उन्हें पंद्रह कोड़ों की सजा सुनाई गई, यह उनका पहला अपराध था। उस समय चन्द्रशेखर आज़ाद की उम्र मात्र 14 वर्ष की थी। प्रत्येक कोड़े पर उन्होंने वंदे मातरम ही कहा था, तभी से उनका नाम आज़ाद पड़ गया।

महात्मा गाँधी द्वारा आंदोलन वापिस लेना चन्द्रशेखर को अच्छा

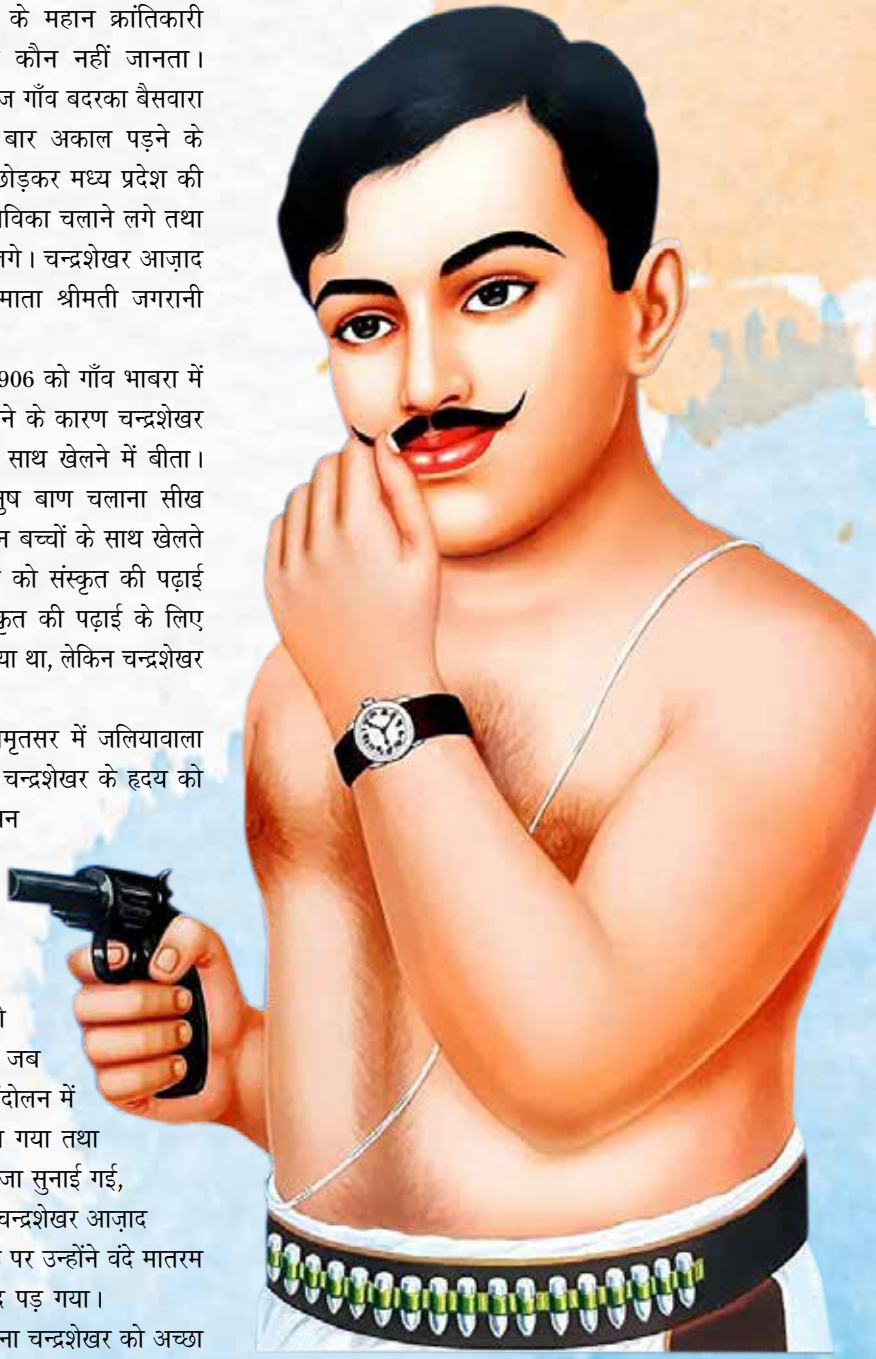

नहीं लगा और वे क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल हो गए। चन्द्रशेखर आज़ाद रामप्रसाद विस्मिल शचीन्द्रनाथ सान्याल व योगेश चन्द्र चटर्जी द्वारा बनाये गए 'हिंदुस्तानी प्रजातांत्रिक संघ' में शामिल हो गए। इसके बाद ये एक क्रांतिकारी संगठन 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' के सक्रिय सदस्य बन गए। वे किसी भी सूरत में धन एकत्र करना चाहते थे, इसी कारण 9 अगस्त 1927 को रामप्रसाद विस्मिल के साथ मिलकर काकोरी कांड को अंजाम दिया और फरार हो गए। कुछ दिन साधु वेश में रहने के बाद पुनः क्रांतिकारियों से मिलकर चन्द्रशेखर आज़ाद ने सभी क्रांतिकारी दलों को मिलाकर 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' क्रांतिकारी संगठन का गठन किया जिसका मुख्य दायित्व चन्द्रशेखर पर ही था।

सांडर्स द्वारा लाला लाजपत राय की लाठियों से हत्या करा देने पर भगत सिंह के साथ मिलकर सांडर्स की हत्या करके उनका बदला लिया तथा अंग्रेजी शासन की नींव को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए दिल्ली पहुंचकर सरदार भगत सिंह के साथ मिलकर असेम्बली में बम विस्पफोट कराया जिससे अंग्रेजों के होश उड़ गए थे।

भगत सिंह राजगुरु व सुखदेव को पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर बिना सुनवाई फाँसी की सजा सुना दी गई तो इन तीनों वीर सपूतों ने गोरी सरकार के इस गैरकानूनी रूप से दिए गए निर्णय के विरुद्ध प्रिवी काउंसिल में अपील करने से इंकार कर दिया था तो चन्द्रशेखर आज़ाद ने इन तीनो की सजा कम कराने के लिए बहुत प्रयास किये तथा फाँसी की सजा को उम्र कैद में तब्दील कराना

चाहते थे। इसी सिलसिले में चन्द्रशेखर आजाद हरदोई जेल में बंद ''गणेश शंकर विद्यार्थी'' से जाकर मिले। गणेश शंकर विद्यार्थी ने उन्हें इलाहाबाद जाकर जवाहरलाल नेहरू जी से मिलने को कहा।

क्रांतिकारी गणेश शंकर विद्यार्थी के अनुसार चन्द्रशेखर आज़ाद इलाहाबाद पहुँचकर 20 फरवरी 1931 को आनंद भवन में पंडित जवाहर लाल नेहरु से वार्ता की और उनसे आग्रह किया कि भगत सिंह सुखदेव व राजगुरु की फाँसी की सजा को उम्र कैद में करने के लिए महात्मा गाँधी से बात करें कि वे इरविन पर दबाव डालें, लेकिन चन्द्रशेखर को वहाँ निराशा ही मिली और वह नाराज़ होकर आनंद भवन से निकल आये। इसके बाद 27 फरवरी 1931 को पुनः आनंद भवन में मिलना था लेकिन जब चन्द्रशेखर आज़ाद इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में अपने क्रांतिकारी मित्र सुखदेव राजगुरु (भगत सिंह राजगुरु का साथी नहीं) से कोई गुप्त मंत्रणा कर रहे थे, तभी अपने ही किसी गद्दार ने पुलिस मुखबिरी करके पुलिस को सूचना दे दी कि चन्द्रशेखर आज़ाद अल्फ्रेड पार्क में है, फिर क्या था सी आई डी का अधिकारी नॉट बाबर तथा कर्नल गंज थाने की पुलिस ने उस भारत माँ के वीर पुत्र को घेर लिया, लेकिन मरते दम तक उस वीर ने डट कर सामना किया और सुखदेव को तुरंत भगा दिया था, अकेले लड़ते हुए जब एक गोली उनकी पिस्टल में शेष रही तो वह स्वयं को मार कर हमेशा के लिए अमर हो गया।

आज़ादी के इतिहास में चन्द्रशेखर का नाम हमेशा याद रहेगा, वह आज़ाद था और मरते दम तक आज़ाद ही रहा, उसे जिंदा पकड़ने की अंग्रेजों की अभिलाषा कभी पूर्ण नहीं हुई।

-देवेन्द्र देव, मिर्जापुरी

निःशुल्क वैक्सीनेशन कैंप

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर वैशाली शाखा द्वारा एक फ्री कोविड टीकाकरण (सभी आयु वर्ग के लिए) का आयोजन किया गया। यह शिविर हमारे आदरणीय एवं शीर्ष नेतृत्व मनोज अवस्थी के सानिध्य में एवं शाखा अध्यक्ष संजय कुमार सिंघल की अध्यक्षता में शाखा के सभी सदस्यों के सहयोग से लगाया गया।

हमारे इस आयोजन में श्री देवाशीष जी द्वारा किया हुआ श्रम दान बहुत ही सराहनीय रहा, उन्होंने बैनर से लेकर कैम्प को शुरू करने तक बहुत ही अहम भूमिका निभायी। हमारे शाखा के सचिव श्री नवीन कुमार गुप्ता जी एवं हमारी महिला संयोजिका श्रीमती रीता जिंदल जी व हमारे कोषाध्यक्ष श्री एस के राय जी का योगदान तो बहुत कमाल का रहा , उन्होंने तो एक बार शिविर में एंट्री की उसके बाद तो वो शिविर में इतने मशगूल हो गए और लोगों को (जिनको इंजेक्शन से डर लगता है) उनका समझाने का कार्य बड़े ही अच्छे तरीके से किया ।

आज हमारे इस सफल शिविर में हमारे पूर्व अध्यक्ष श्री राम कुमार गर्ग जी का भी आना हुआ एवं उनसे मार्गदर्शन मिला ।

आज के इस सफल आयोजन में टीम के प्रयास से कुल 150 (40 covaxin and 65 covishield) आज के आयोजन में 15 से 18 आयु वर्ग के बच्चों को पहला टीका, 18 से अधिक आयु वर्ग के लोगों को पहला एवं दूसरा टीका एवं भारत सरकार के नियम के अनुसार तीसरा टीका लगाया गया।

राजस्थान मध्य प्रांत की शाखा गंगापुर द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन पेट्रोल पंप बस स्टैंड गंगापुर में किया गया। शिविर का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश तेली शाखा संरक्षक प्रहलाद राय सोमाणी, सुरेश सिंघवी, प्रान्तीय महासचिव सीए संदीप बाल्दी, अध्यक्ष चमन लोसर एवं हिरण परिवार के नवरतन हिरण, सुनील हिरण द्वारा माँ भारती व स्वामी विवेकानंद व स्व. लक्ष्मीलाल जी हिरण की तस्वीर पर माल्यार्पण कर, दीप प्रज्ज्वलन एवम राष्ट्रगीत वन्देमातरम गायन के साथ किया गया। रक्तसंग्रहन का कार्य रामस्नेही चिकित्सालय की अनुभवी टीम द्वारा किया गया। शिविर के दौरान 06 महिलाओं सहित कुल 156 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया। शिविर के दौरान डिस्टनसिंग, सेनेटायजर, मास्क आदि के उपयोग का पूरा ध्यान रखा गया। शिविर के दौरान प्रान्तीय रक्तदान प्रभारी कमलेश पाठक शाखा वित् सचिव पवन लोहिया, उपाध्यक्ष भेरू लाल सुराना, रक्तदान प्रभारी दिनेश कुमार श्रोत्रि, नन्द किशोर तेली, पार्षद रानी सुनील त्रिपाठी , मोनु तिवारी, आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

Dibrugarh, Assam : An Eye Camp along with General Health Checkup Camp was organised by Jagrata Gramin Samity of branch at Rajgarh Rangali

School. A total of 250 patients were treated appropriately. 36 patients were selected for cataract operation and transferred to Lion K.K.Saharia Eye Hospital. In the camp medicine, mobile medical unit and COVID testing team was provided by National Health Mission Dibrugarh.

Kokrajhar : Branch organized Free Homoeopathy Camp at Chandrapara Bazar. A total of 41 patients were treated with free medicine by Dr. Amal Chandra Roy in assistance by Tapan Dutta, Nayan Saha and Sunil Kumar Barman.

Kokrajhar Assam : Branch distributed medicine for needy people.

Karimganj : Sixth North-east Green Summit was held at NIT, Silchar. Branch member's planted three hundred saplings on either side of the road at NH-44. In recognition of it Northeast Summit honoured BVP Karimganj branch with an Uttariya and a momento. On this occasion, Nirupam Nandi Prantiya General Secretary donated 1 unit blood at Civil Hospital, Karimganj.

पटना, दक्षिण बिहार : भारत विकास एवं संजय आनन्द विकलांग अस्पताल द्वारा विश्व विकलांगता दिवस पर 134वां पोलियो एवं करेक्टिव शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.एस.झा, डॉ. रवि खण्डेलवाल, डॉ. मिथिलेश कुमार, डॉ. राजीव रंजन की टीम द्वारा अपनी सेवाएँ प्रदान की गई। इस अवसर पर 15 मरीजों की शल्य चिकित्सा तथा 28 मरीजों की जांच की गई। साथ ही 20 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदान किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों के प्रति शुभकामना अर्पित करने हेतु सशस्त्र सीमा बल, पटना की फ्रन्टियर बैंड टीम द्वारा आधे घंटे तक मुख्य सड़क पर मनमोहक प्रस्तुति दी गई। वनबन्धु परिषद्, महिला चैप्टर की बहनों केसरी देवी अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल, राधेश्याम बंसल द्वारा मरीजों के बीच कंबल, बिस्कुट व फल का वितरण किया गया। फ्रन्टियर बैंड टीम को अस्पताल के चेयरमैन देशबन्धु गुप्ता ने प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। बिहार इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा दिव्यांग अस्पताल परिसर में 15 दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ पैर, 10 बधिरों को श्रवण यंत्र तथा 9 बच्चों को पोलियो एवं करेक्टिव प्लास्टर का कार्य कर पीड़ित मानवता की सेवा में योगदान दिया गया। रीता वर्मा एवं राजीव आहुजा के शादी की 25वीं वर्षगाँठ पर रीता वर्मा के पिता के.पी. वर्मा द्वारा 5 दिव्यांगजनों को तिपहिया साईकिल भेंट किया गया। अस्पताल परिसर में मरीजों के बीच कंबल एवं छोटे बच्चों को स्वेटर एवं टोपी वितरित किया गया।

चैरीटेबल ट्रस्ट, लुधियाना, पंजाब पश्चिम : ट्रस्ट द्वारा तीन निःशुल्क दिव्यांग सहायता शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें मरीजों को कृत्रिम अंग, कैलिपर, ट्राईसाईकिल, व्हीलचेयर तथा हेयरिंग ऐड निःशुल्क दिये गये। शिविरों के माध्यम से 202 दिव्यांगों के 217 कृत्रिम सामग्री का

वितरण किया गया। ट्रस्ट द्वारा 34 वर्षीय पवन कुमार जिनका बाँया पाँव घुटने से ऊपर से एक्सीडेन्ट में कट गया था, जांच कर High Technology modular above knee prosthesis system woth 4 axis polycentric khee joint लगाया गया जिससे वह आराम से चल फिर सकता है।

अम्बाला, हरियाणा उत्तर : रमेश चन्द्र वर्मा के सौजन्य से अपनी पत्नी स्व. कृष्णा देवी की स्मृति में भारत विकास परिषद् चैरीटेबल ट्रस्ट अस्पताल अग्रसेन चौक पर मोतियाबिन्द मुक्त अम्बाला अभियान के तहत आँखों का स्क्रीनिंग शिविर लगाया गया जिसमें डॉ. रजत माथुर ने लगभग 155 मरीजों की आँखों की जांच उनमें से 140 मरीज मोतियाबिन्द के ऑपरेशन के लिए उपयुक्त पाये गये जिन्हें लीलावती अस्पताल भेजा गया। शाखा अध्यक्ष सतीश जिन्दल ने आये हुए अतिथियों का सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

घरौंडा : शाखा द्वारा भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति अम्बाला के सहयोग से फिजियोथेरेपी सेन्टर पर तृतीय निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवीन गोयल (Country Head, Small Business Banking, Indusland Bank) रहे। मंच संचालन कपिल गुप्ता ने किया। शिविर में 16 लोगों का साइज लेकर उनकी कृत्रिम टांग लगाई गई। 8 लोगों को बैसाखी और 6 लोगों के लिए कैलीपर की व्यवस्था करवाई गई। शिविर के मुख्य अतिथि ने कहा कि शाखा इस तरह के जनकल्याण के कार्य करती रहती है और आज के सफल कार्यक्रम के लिए बहुत-बहुत बधाई। शाखा अध्यक्ष राहुल गर्ग ने कहा कि शिविर से लगभग 50 लोगों ने लाभ प्राप्त किया। शिविर के आयोजन में सहयोग के लिए भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति का आभार व्यक्त किया गया। शिविर में शाखा दायित्वधारियों सहित सदस्य उपस्थित रहे।

रेवाड़ी, हरियाणा दक्षिण : शाखा द्वारा महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में दिव्यांग सहायतार्थ शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 60 जरूरतमंद महिलाओं और पुरुषों जिनके हाथ या पैर नहीं थे उनको कृत्रिम अंग लगाने हेतु मापतोल लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकुमार मक्कड़, चेयरमैन दिव्यांग आयोग, हरियाणा सरकार रहे। उन्होंने दिव्यांगजनों को स्वावलम्बन बनाने और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि चौधरी धर्मवीर चोकण रहे। कार्यक्रम में प्रान्तीय अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा, महासचिव डॉ. रामबाबू यादव, प्रान्तीय सचिव संजय शर्मा, संयोजक प्रदीप जैन, शाखा सचिव दिनेश सैनी, अध्यक्ष रमेश सचदेवा सहित अनेक सदस्यगण उपस्थित रहे।

Greater Kailash, Delhi South : Branch organized a free "Eye Checkup Camp" at Begampur. Total 60 patients took benefit. In the camp 4 spectacles – bifocals, 5 spectacles – for reading, 4 spectacles – for Distance were given free of cost to the patients and 4 patients recommended for Cataract operation which was managed and covered by branch.

मेरठ मेन, हस्तिनापुर : शाखा एवं सूरजमल मॉडल इंटर कॉलेज सकौती टांडा के संयुक्त सहयोग तथा संयोजक विश्वबन्धु की प्रेरणा से गाजियाबाद के लायंस आई हॉस्पिटल के प्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा 415 मरीजों की आँखों की निःशुल्क जांच की गई। जांच उपरान्त 95 मरीज को मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हेतु लायंस हॉस्पिटल गाजियाबाद भेजा गया। कार्यक्रम के संचालन में शाखा अध्यक्ष अधीर मांगलिक, सचिव गौरव अग्रवाल, हेमंत गोयल, अम्बरीश, अतुल अग्रवाल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

मुजफ्फरनगर, हस्तिनापुर : नगर की सम्राट और कृति शाखाओं द्वारा नेत्र चिकित्सा शिविर सम्पन्न।

मुजफ्फरनगर : नगर की सम्राट एवं कीर्ति शाखा के तत्वावधान में वरदान धर्मार्थ नेत्र सेवा संस्थान के सहयोग से निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन लिटिल एंजिल पब्लिक स्कूल

रामपुर तिराहा में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रान्तीय उपाध्यक्ष परमकीर्तिशरण अग्रवाल, जिलाध्यक्ष अचिन कंसल का सानिध्य रहा। वरदान धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा स्कूल के 400 बच्चों का नेत्र परीक्षण किया गया जिनमें से 42 बच्चों के नेत्रों में कमी पाई गई। शाखा की ओर से चिकित्सक व स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया गया।

रायबरेली, अवध प्रदेश : शाखा द्वारा संचालित कमला कृष्ण हासानी चिकित्सालय पर स्वर्गीय डॉ. हरीशचन्द्र गुप्ता की स्मृति में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन संयोजक कान्ति गुप्ता, पुत्री स्व. डॉ. हरीश चन्द्र गुप्ता, आनन्द नगर रायबरेली द्वारा ग्राम अम्बारा पश्चिम लालगंज में किया गया। शिविर में एस. सी. द्विवेदी, डॉ. एल.पी.पाण्डे, डॉ. रवि शंकर मिश्र, डॉ. सुष्मिता मिश्रा, डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. लवी गुप्ता, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. अनुज कुशवाहा व उनके सहयोगी प्रभास कुमार द्वारा 253 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा निःशुल्क दवा वितरण किया गया। शिविर के आयोजन में शाखा से नवल किशोर वाजपेई, राजा राम मौर्य, अशोक मिश्रा का सराहनीय सहयोग रहा। ग्राम बिरनावां डीह पर दूसरा स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर में चिकित्सकों द्वारा 315 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवा वितरित किया गया।

लोकमान्य लखनऊ : शाखा द्वारा तीन दिवसीय एनीमिया जांच तथा सामान्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसी क्रम में द्वितीय शिविर एम.के.एस. डी विद्यालय में बालिकाओं का हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, वेट तथा ऑक्सीजन लेवल की जांच शिविर गोयल हॉस्पिटल एवं ब्लड बैंक के सौजन्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रीजनल मंत्री महिला एवं बाल विकास रूपम तिवारी, प्रान्तीय महासचिव सच्चिदानन्द श्रीवास्तव, एस.एस.अस्थाना, उषा अस्थाना, शैल अस्थाना तथा मंजू अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थित बालिकाओं को रूपम तिवारी एवं मंजू सिंह ने एनीमिया क्या होता है, क्यों होता है और इससे बचाव के तथा निवारण के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई। ब्लड सैंपल देने में असहज बालिकाओं को मानसिक रूप से तैयार करने में प्रान्तीय महिला संयोजिका ने सराहनीय भूमिका निभाई। जांच शिविर में 75 बालिकाओं का हीमोग्लोबिन की जांच की गई। सभी बालिकाओं को पेन, फ्रूटी तथा बिस्किट का वितरण किया गया।

सुभाष भीलवाड़ा, राजस्थान मध्य : शाखा द्वारा सेवा प्रकल्प के तहत महात्मा गाँधी चिकित्सालय के सीसीयू वार्ड में 50 बेडसीट्स का सहयोग मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण गौड़, कैलाश शर्मा व सत्यनारायण सोनी को भेंट किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रकोष्ठ सचिव बलराज आचार्य, रीजनल महिला एवं बाल विकास मंत्री गुणमाला अग्रवाल, प्रान्तीय प्रभारी दिनेश शारदा, राजेश चेचानी, सुरेश रावत, मनीष नारायणीवाल आदि उपस्थित रहे।

सांचोर, राजस्थान पश्चिम : परिषद् चैरीटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित दिव्यांग सहायता केन्द्र पर 30 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग प्रदान कर लाभांवित किया गया। फिजियोथेरीपी सेन्टर के माध्यम से 386 मरीजों का उपचार किया गया। चिकित्सालय प्रकल्प के अन्तर्गत 690 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवा वितरित की गई।

सुमेरपुर शिवगंज, राजस्थान पश्चिम : शाखा और अग्रवाल समाज छावनी के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 451 नेत्र रोगियों की जांच की गई जिसमें से 51 रोगियों का चयन कर उन्हें मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए ग्लोबल अस्पताल आबूरोड भेजा गया। इस अवसर पर शाखा के 26 सदस्यों सहित दानदाता के परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

सुभाष भीलवाड़ा, राजस्थान मध्य : महात्मा गाँधी चिकित्सालय को 50 बैडसीट्स का सहयोग।

बारां, राजस्थान दक्षिण पूर्व : कोरोना महामारी के पश्चात शाखा द्वारा स्थानीय

दानदाताओं के सहयोग से 53वां निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन स्थानीय खण्डेलवाल धर्मशाला अस्पताल रोड पर सम्पन्न किया गया। शाखा अध्यक्ष मुकेश गुप्ता ने बताया कि शिविर में डीडी नेत्र फाउण्डेशन डॉ. मनदीप कौर एवं उनकी टीम द्वारा 197 रोगियों की जांच की गई जिसमें से 76 मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण हेतु चयनित कर उन्हें कोटा भेजा गया। शिविर प्रभारी हितेश बत्रा ने बताया कि नेत्रदान के प्रति ग्रामीण का रूझान बढ़ा है। शिविर में जांच कराने आये रोगियों द्वारा मरणोंपरान्त अपने कॉर्निया दान करने हेतु सहमति दी गई। शिविर के आयोजन में हेमन्त मंगल, ओम प्रकाश खत्री, श्याम बंसल सहित अन्य सदस्यों ने अपनी सेवाएँ दी।

भवानीमंडी : कोरोना महामारी के कारण 9 माह बाद शाखा द्वारा 90वां निःशुल्क आइओएल नेत्र जांच एवं शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन नगर की सीताराम अग्रवाल धर्मशाला में किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रायोजक प्रो. बालचंद सेन व मंचासिन अतिथियों धर्मचंद गोटावाला, ओमप्रकाश चतुर्वेदी, राजेश देवड़ा, ट्रस्ट के डॉ. अभिषेक सुमन द्वारा किया गया। शिविर में चिकित्सकों द्वारा 183 मरीजों की जांच कर के 50 मरीजों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु चयन कर उन्हें आनन्दपुर विदिशा ले जाया गया। इस आयोजन में गोविन्द भराडिया, रमेश चन्द गुप्ता, महेश शर्मा, श्याम चौधरी सहित अन्य गणमान्य सदस्यों का सहयोग रहा।

इन्दौर, मध्य भारत दक्षिण : बदलते मौसम, विटामिन की कमी, कोरोना के प्रभाव और बढ़ती उम्र के कारण हड्डी रोग से पीड़ित लोगों को राहत पहुँचाने की भावना से भारत विकास परिषद् की सभी शाखाओं के सहयोग से इन्दौर सेवा न्यास द्वारा निःशुल्क हड्डी रोग निवारण एवं फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हड्डी रोग विशेष डॉ. कुश बंडी, डॉ. प्रणव महाजन ने मरीजों की जांच कर आवश्यकता होने पर उन्हें फिजियोथेरेपी का सुझाव दिया। 75 से अधिक मरीजों ने शिविर से लाभ प्राप्त किया। शिविर की सफलता पर सेवा न्यास के अध्यक्ष पवन बागड़िया, रजनीश चोरड़िया, अरविन्द बंडी, अजय जैन, मनोज बिसानी सहित अन्य गणमान्य सदस्यों ने खुशी जाहिर किया।

विक्रमादित्य उज्जैन, मध्य भारत पश्चिम : प्रान्त के 38वें सुपर स्पेशिएलिटी स्वास्थ्य शिविर में 400 मरीजों के निःशुल्क परीक्षण के साथ 102 का ऑपरेशन भी किया गया। उक्त जानकारी देते हुए स्वास्थ्य शिविर संयोजक गुलजारीलाल त्रिवेदी, डॉ. सुमन कुरेशी व डॉ. आभास शर्मा ने बताया कि कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए अमलतास हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर देवास के सहयोग से आयोजित इस शिविर में सभी रोगों की जांच कर आवश्यकतानुसार दवाईयाँ भी निःशुल्क दी गई। हॉस्पिटल के डायरेक्टर देवेन्द्र दुबे व संस्था अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि जिन 102 मरीजों को ऑपरेशन की आवश्यकता थी उनका रुपये 5 लाख तक का ईलाज अमलतास हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर के सहयोग से आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क किया जाएगा। आचार्य श्री स्वामी रामस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज जी के पावन सानिध्य में सम्पन्न इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में जिला चिकित्सालय उज्जैन के आर.एम. ओ. डॉ. जितेन्द्र शर्मा उपस्थित रहे।

सांगली, महाराष्ट्र पश्चिम : शाखा द्वारा अनेक समाजपयोगी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। हाल ही में स्वतंत्रता की 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे शाखा सदस्यों सहित कुल 65 लोगों ने रक्तादन का पवित्र कार्य किया। इस अवसर पर सुधीर गाडगील सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस आयोजन में स्थानीय पुतला बेन कॉलेज ऑफ एजुकेशन का सराहनीय योगदान रहा। शाखा द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत घरों में कार्य करने वाली 35 महिलाओं को साड़ी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 100 लोग उपस्थित रहे। ■

सांगली, महाराष्ट्र पश्चिम : शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन।

कालीन नगरी – मिर्जापुर

विक्रान्त खण्डेलवाल

मिर्जापुर नाम तो सुना ही होगा, कालीन भैया, गुड्डू भैया, मुन्ना भैया आदि आदि।

कितनी भयानक और गंदी तस्वीर पेश की थी उस वेबसिरिज ने, जैसे उसका नाम सुनते ही सनसनी फैल जाए।

कुछ ऐसा ही आज मेरे साथ हुआ। प्रयागराज से आगे जब मिर्जापुर का प्रवास बना तो वही तस्वीर मेरे सामने आ गई। लेकिन जब यहाँ पहुँचा तो तस्वीर बिल्कुल अलग थी।

माँ विंध्यवासिनी की पवित्रता और अध्यात्मिकता लिए पूरे उत्तर प्रदेश में अभी सबसे शान्त जिलों में जाना जाने वाला मिर्जापुर अपनी अतिथि संस्कार परम्परा के लिए भी बहुत प्रसिद्ध है। प्राकृतिक संसाधनों और सौहार्द से भरपूर यह क्षेत्र 8 बड़े जलस्रोतो से आच्छांदित है। जहाँ पूरे प्रदेश की पहली कॉटन मील खुली हो। जहाँ बीकानेर के धागे से बना मिर्जापुर-भदोही का कारपेट पूरे हिन्दुस्तान के घरों की शोभा बढ़ा रहा है। जहाँ पीतल के बने बर्तनों का बड़ा बाजार है।

यह अपने कालीनों और ब्रासवेयर उद्योगों के लिए जाना जाता है। यह शहर कई पहाड़ियों से घिरा हुआ है और मिर्जापुर जिले का मुख्यालय है। यह विंध्याचल, अष्टभुजा और काली खोह के पवित्र मंदिर के लिए प्रसिद्ध है और यहाँ देवरहा बाबा आश्रम भी है। ....शहर की स्थापना से पहले, यह क्षेत्र घने जंगलों से घिरा था। इस शहर का पुराना नाम गिरिजापुर था। यह स्थान कई सीमेंट फैक्ट्रियों, अच्छे व्यापारिक केन्द्र होने के साथ-साथ प्रयागराज और वाराणसी के ठीक बीच में स्थिता है।

आज भारत विकास परिषद् की स्थानीय इकाई के साथ बैठक में इस कॉरपेट उद्योग का बीकानेर से संबंध मालूम चला। यहाँ अधिकांश कच्चा माल बीकानेर से आता है। यहाँ बीकानेर की मिठाई तो मिलती ही है लेकिन अभी अभी यहाँ बीकानेर के व्यापारियों ने भारत विकास परिषद् की एक ''कालीन नगरी'' शाखा भी खोली है।

आज मिर्जापुर में जोरदार स्वागत सत्कार के बाद एक बहुत ही उद्देश्य पूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के बाद कार्यकर्ताओं ने यहाँ स्थाई प्रकल्प बनाने और चलाने का निर्णय भी किया है।

अब जब पता चला कि यहाँ तीन माताओं का आवास है तो आगे की यात्रा बिना उनके आशीर्वाद कैसे पूरी हो सकती है, तो मित्र रवि जी, ऋषि शुक्ला जी के साथ माता जी का दर्शन कर आशीर्वाद लेकर वाराणसी के लिए प्रस्थान किया। अंत में आपको बताते चले कि योगी जी की सरकार ने यहाँ भी भगवान काशी विश्वनाथ की तरह एक कॉरिडोर बनाने का काम चला रखा है। ■

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महासचिव द्वारा छात्राओं को छात्रवृत्ति का चेक वितरण

Agartala East, Tripura : Branch organized Bharat Ko Jano quiz competition at Agartala Press Club in the Nripen Chrakraborty Auditorium. The quiz competition was conducted in two groups.

In Group A, Urbashi Deb Roy and Poushali Roy, students from Gandhigram Tripureshawari Vidyamandir, became champions. And In Group B, Adrita Datta and Ahitri Lodh, students of Bhavan's Tripura Vidyalaya became champions.

DIPHU, Assam: A newly branch DIPHU of BVP Assam Prant was inaugurated in Karbi Anglong district on 16th December at Sewa Dham, Diphu. National Secretary Jagadindu Deb briefly spoke on History of Bharat Vikas Parishad and organizational aspects. Pradip Ranjan Roy Finance Secretary of Prant administered the Oath of Membership and Dayitto Grahan of elected office bearers. Prof. Sibashis Biswas was elected as President of Diphu branch, Prof. Jai Kaushal as Secretary and Prof. Subit Dutta was elected as Treasurer.

Badarpur: Branch observed "World Disabled Day". On this occasion, a Hearing Aid machine and a pair of Crutch was provided to needy. Branch also observed Guru Teg Bahadur Balidaan Divas and Lachit Divas. Branch office bearers and members paid floral tribute at the portraits of Guru Teg Bahadur and Vir Lachit Borphukan.

Karimganj : Drinking water facility is installed by branch at Sonatala village. It is dedicated to the society in presence of Nirupam Nandi, prantiya Secretary and R.S. Kumawat, company Commandant 134 No. Battalion B.S.F. It is assumed that more than five hundred villagers will get the benefit of it.

Hailakandi: Branch celebrated Balidan diwas of Guru Tegh Bahadur and Bir Lachit at the residence of secretary of branch. Dipankar Das, Principal, Prescientia Senior Secondary School, graced the occasion as chief guest and talked at length on Lachit Borphukan. Another member Rahul Deb, spoke on

Guru Tegh Bahadur and explained the significance

Agartala East, Tripura : Branch organised Bharat Ko Jano competition.

Diphu, Assam : New Branch Diphu opening in Karbi Anglong district by Prant.

of Balidan Diwas. About 35 students of degree courses participated in the programme.

Dhubri: Branch organised a shraddhanjali program at Town Hotel, Dhubri. President, Secretary and Members paid heartfelt gratitude towards the supreme sacrifice of beloved CDS General Bipin Rawat and other soldiers of Indian Armed Forces.

पटना दक्षिण बिहार : प्रान्त द्वारा प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रान्त की शाखाओं के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस.एन.पाण्डा एवं बिमल जैन द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में सुपर-30 के संस्थापक डॉ. आनन्द कुमार की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। उन्होंने बच्चों को सफलता के लिए कई टिप्स बताए तथा विजेता टीम को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र भेंट किए। कार्यक्रम में समाजसेवी सरदार जगजीवन सिंह, प्रो. भगवान गुप्ता, सरदार तरलोचन सिंह, दिनेश अरोड़ा, राकेश कुमार निर्मल जैन सहित समाजसेवीर रेणु की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रान्तीय महासचिव डॉ. अशोक कुमार सिंह, विवेक माथुर, नीतीश कुमार आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान वरिष्ठ वर्ग भागलपुर की शाखा तथा कनिष्ठ वर्ग में बाढ़ शाखा के प्रोग्रेसिव स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

Chandrasekharpur, Odisha East : Branch donated Rs 6,000/- for buying grocery items to inmates of Adruta Children Home and grocery items of Rs 5,000/- supplied to inmates of Sri Sri Maa Anand Ashram, Damana. Branch also donated Rs 40,000/- to 4 orphan children of Raghurajpur for electrification and plumbing works of their newly constructed house. And Bajaj grinder donated to Milton Charitable Foundation, Khurda for helping blind girl inmates.

Kolkata South, West Bengal: Along with Khanyan -Triveni branch organised a complete Health Checkup Camp at Bandel in Hooghly district. Total 64 persons were checked for ECG, Blood sugar levels, Blood pressure and general health. Out of 64 persons checked for eyes 31 needed spectacles and 7 needed cataract operation. Blood pressure of 26 persons was found abnormal. They were given requisite medical advice and medicines. Sugar level of 43 persons was found abnormal and they were given requisite advice and provided medicines.

शहीद सुखदेव, पंजाब पश्चिम : शाखा का गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम।

शहीद सुखदेव, लुधियाना, पंजाब पश्चिम : शाखा द्वारा आर्य कॉलेज लुधियाना में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कॉलेज के श्रेष्ठ शिक्षकों व 45 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सविता उप्पल ने श्रेष्ठ शिक्षकों एवं मेधावी छात्रों के सम्मान के लिए परिषद् का धन्यवाद किया और कहा कि इससे अन्य शिक्षकों एवं छात्रों को अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगा। शाखा अध्यक्ष सुधीर जैन इस अवसर पर उपस्थित सभी को राष्ट्रीय संस्कृति, रीति रिवाज, नैतिक मूल्यों ओर सामाजिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पालन करने व नशीले पदार्थों का सेवन न करने की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधकीय समिति के सचिव, प्रान्तीय महासचिव अरुणा पुरी व शाखा के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बठिण्डा, पंजाब दक्षिण : शाखा द्वारा टीचर मोह, समीप फौजी चौक पर परिवार मिलन एवं अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता मुख्य अतिथि प्रो. मोहन लाल अरोड़ा, मैनेजिंग डायरेक्टर सैंट कबीर ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयूट्स ने की। कार्यक्रम शुभारंभ के उपरान्त शहीद हुए जरनल बिपिन रावत एवं उनके साथियों को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि को स्वागत राजेन्द्र पाण्डे, प्रान्तीय संगठन मंत्री ने किया, वहीं प्रो. अशोक कुमार, प्रान्तीय संरक्षक ने मुख्य अतिथि और परिषद् के इतिहास एवं दर्शन का परिचय दिया। इस अवसर पर भारत को जानो एवं राष्ट्रीय एकल गीत प्रतियोगिता के विजेताओं एवं निर्णायगणों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में परिषद् की निष्काम भाव से किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की तथा प्रतिवर्ष एक मास के लिए विधवा राशन वितरण के लिए रुपये 12000/- की राशि का योगदान देने की घोषणा की। स्थानीय हनुमान मंदिर, पोस्ट ऑफिस बाजार पर के.सी.मित्तल के नेतृत्व में प्रो. अशोक कुमार गुप्ता, प्रान्तीय संरक्षक तथा सुशील गुप्ता की पुत्री सुमेधा मित्तल एवं दामाद रजनीश मित्तल ने वैवाहिक वर्षगाँठ और मक्खन लाल मंगल ने अपने जन्म दिवस और सुपुत्र दीपक मंगल एवं पूजा मंगल की वैवाहिक वर्षगाँठ की खुशी में रुपये 12000/- प्रति राशि का विशेष योगदान दिया गया। इस राशि से 24 विधवाओं को राशन सामग्री वितरित की गई। इस योगदान हेतु सभी ने दानदाताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बठिण्डा, पंजाब दक्षिण : शाखा द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता सम्पन्न।

Ferozepur City : Inspired by Bharat Vikas Parishad activities in services for mankind, Parminder Singh, MLA gave a cheque of Rs. 1,50,000/- to Bharat Vikas Parishad, Ferozepur City unit.

Jaitu : Branch Permanent Projects (Cutting & Tailoring Training Center" and "Skin & Hair Care Training Center) for training of Poor Women completed 1st session of current year. On this occasion, Sewing Machines/Beauty Kits were distributed to all the 50 Trainees.

Gurdaspur (Punjab North): Branch organised various programs in the previous month i.e. Celebrate Pollution Free Diwali, Bharat Ko Jaano program, Nagar Kirtan, Cloth Distribution and Guru Teg Bahadur Balidan Diwas.

मोहाली, पंजाब पूर्व : मोहाली की शाखाओं के संयुक्त में गोल्डन बैलज पब्लिक स्कूल में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस कार्यक्रम आयोजित करते हुए गुरु जी की जीवनी एवं शिक्षाओं पर आधारित मंतेश्वर सिंह मेमोरियल डैकलामेश का आयोजन किया जिसमें शहर के 9 विभिन्न स्कूलों से छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में गुरु जी की जीवनी, शिक्षाओं तथा शहादत पर जानकारी दी गई। वीरां वाली ने गुरु जी के जीवन, कुर्बानी और शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए छात्रों को धर्मनिरपेक्षता, मानव कल्याण और देश सेवा से जुड़ने की प्रेरणा दी गई। गुरदीप सिंह ने परिषद् संबंधित विस्तृत जानकारी

दी तथा छात्रों को गुरु जी के जीवन से शिक्षा लेते हुए जात-पात और ऊँच-नीच का भेदभाव मिटाकर जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि स्कूल के चेयरमैन कर्नल सी.एस. बावा जी ने आए अतिथियों से अच्छे संस्कारों और सेवा से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में एस.के. विज, जी.एस. थिंद, राजवंत सिंह, अनिल शर्मा सहित अन्य का सराहनीय सहयोग रहा।

रेवाड़ी, हरियाणा दक्षिण : शाखा द्वारा सन्त सेवा कुटिया गुरुद्वारा दिल्ली रोड में गुरु तेगबहादुर बलिदान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि समाजसेवी व उद्योगपति रवि गुप्ता ने गुरु परम्परा को नमन करते हुए कहा कि गुरु तेगबहादुर जी ने भारत की आत्मा को जीवित रखने के लिए अपना बलिदान कर दिया। उनका बलिदान समाज को बताता है कि यह धर्म सभ्यता बलिदानों पर टिकी है। इस अवसर पर संत जगदेव सिंह जी तलवंडी ने गुरु नानक जी से लेकर गुरु गोविन्द सिंह जी का उल्लेख करते हुए तत्कालिक बादशाह औरंगजेब के मूढ़ता पूर्व धर्मान्तरण की प्रक्रिया व गुरु तेग बहादुर के द्वारा उसका विरोध पर विस्तृत जानकारी दी। मुख्य वक्ता अनिल मोहन मंगला ने बताया कि गुरु तेगबहादुर जी ने संकट में फंसे हिन्दू समाज के लिए अपने बलिदान से आदर्श स्थापित किया कि धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए बलिदान देना पड़ता है। गुरु जी के बलिदान दिवस पर प्रान्त की शाखाओं द्वारा बच्चों को जागरूक करने के लिए निबन्ध, भाषण, चित्रकला आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रान्तीय कोषाध्यक्ष अनिल बंसल, प्रमोद टिबरेवाल, राधेश्याम मित्तल, डॉ. पवन गोयल व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

हरियाणा उत्तर : प्रान्त द्वारा शाहबाद शाखा के आतिथ्य में प्रान्त स्तरीय गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रान्त की शाखाओं से 24 बच्चों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने गुरु जी के जीवन को अपने सुन्दर शब्दों में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृष्णा बेदी, पूर्व विधायक व राजनीतिक सचिव मुख्यमंत्री हरियाणा और कार्यक्रम अध्यक्ष दीपक राय आनन्द, प्रान्तीय अध्यक्ष व विशिष्ट अतिथि बलदेव राज सेठी व डॉ. आर. एस. धुम्मन उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आदेश दीक्षित, द्वितीय स्थान योगिता और तृतीय स्थान पर कन्नन पूंडरी और तनवीर ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के सुन्दर आयोजन के लिए शाखा को बधाई दी गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय मंत्री डॉ. परमजीत पाहवा सहित प्रान्तीय एवं शाखाओं के दायित्वधारी उपस्थित रहे।

हरियाणा उत्तर : प्रान्त स्तरीय गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस कार्यक्रम।

विवेक अम्बाला छावनी : शाखा द्वारा एसडी विद्या स्कूल में श्री गुरु तेगबहादुर बलिदान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 13 स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया जिसमें अनमोलप्रीत कौर, आसाराम पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कुरुक्षेत्र : शाखा द्वारा गोयल भट्ठा कम्पनी बस्ती, मथाना में काम कर रहे लगभग 50 गरीब परिवारों के मध्य 100 कम्बल का वितरण किये गये। साथ ही छोटे बच्चों को मिष्ठान का वितरण किया गया। कार्यक्रम संयोजक पवन गुप्ता रहे। कार्यक्रम में भट्ठा मुंशी बलजीत ने पूरा सहयोग दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. रमेश डांडा, सचिव सुशील सूद, जय प्रकाश, महिला एवं बाल विकास संयोजिका आशा डलवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश सिंगल, रमेश गुलाटी, मनोज सेतिया, डॉ. वी.वी. छिकारा, सुभाष बंसल व अन्य सदस्य उपस्थित रहे। गीता

कुरुक्षेत्र, हरियाणा उत्तर : शाखा द्वारा गीता जयन्ती पर ब्रह्मसरोवर पर 1200 दीप प्रज्जवलित किय गये।

जयन्ती के अवसर पर ब्रह्मसरोवर पर लगभग 5 लाख दीप प्रज्जवलित किए गए जिसमें शाखा 30 सदस्यों द्वारा 2100 दीपक जलाए गए। दीपस्थल पर महामहिम राज्यपाल बंगारू दत्तात्रेय सहित केन्द्रीय व राज्य मंत्रियों द्वारा अवलोकन किया गया।

घरौंडा : शाखा द्वारा एल.टी.टी.एम पब्लिक स्कूल में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में घरौंडा के 9 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश मित्तल, महासचिव मंडी एसोसिएशन उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में केडीएम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल ने प्रथम, जैन सीनियर सेकेडरी स्कूल ने द्वितीय एवं पार्थ पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन में शाखा के सभी दायित्वधारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष नरेन्द्र राणा एवं सदस्य दीपक शर्मा सहित प्रान्तीय महासचिव धीरज भाटिया, कपिल गुप्ता, जिला महिला प्रमुख मीनू गुप्ता व अन्य उपस्थित रहे।

Panchkula : In State level Bharat Ko Jano quiz Competition, Kriti Sharma (MRA School) bagged first position in junior category while Gaurish Garg from (Hall Mark school) under branch stood third in senior category. And Branch organized Bhashan Pariyogota on the eve of Teg Bahadur Balidan Divas at Satluj Public School. Branch also organized a mega Blood Donation and Vaccination Camp at its premises in where 51 units of blood were donated by the donors.

उत्तराखण्ड पश्चिम : प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन एंजिल्स अकादमी सीनियर सेंकेडरी स्कूल बहादराबाद में किया गया जिसमें वरिष्ठ वर्ग में कोटद्वार शाखा की टीम तथा कनिष्ठ वर्ग में देवभूमि शाखा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सविता कपूर, क्षेत्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास, रजत अग्रवाल, क्षेत्रीय मंत्री सम्पर्क, जोगेन्द्र कुमार मोंगा, प्रान्तीय महासचिव, अन्नपूर्णा बंदूनी, सुगंधा जैन सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

अविरल गंगा रुड़की : शाखा ने आईआईटी के परिसर में स्थित अनुश्रुति स्कूल फॉर डीप में गूंगे और बधिर बच्चों में आर्थिक सहयोग के रूप में रुपये 21000/- की राशि और दो सिलाई - कटाई मशीन प्रदान किया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। स्कूल की प्रधानाचार्य शाजिया ने सदस्यों को स्कूल के बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग दिखाई गई। स्कूल के उपाध्यक्ष प्रो. एस.सी. हांडा और किरण हांडा ने स्कूल का इतिहास बताया गया। शाखा के मुख्य संरक्षक प्रो. सत्येन्द्र मित्तल ने स्कूल से अपने रिश्ते बताये और शाखा के सदस्यों से भविष्य में भी स्कूल की सहायता करने का निवेदन किया।

पंचपुरी हरिद्वार : शाखा द्वारा विज़डम ग्लोबल स्कूल में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य संजय देवांगन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। शाखा अध्यक्ष डॉ. उधम सिंह ने कहा कि जीवन में अज्ञान रूपी अंधकार को हटाकर ज्ञानरूपी प्रकाश करने वाला गुरु ही होता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में स्कूल के निदेशक यू.सी.जैन ने कहा कि हमारा उद्देश्य शिष्य एवं गुरु के रिश्ते को मजबूत करना है। सचिव हेमंत नेगी ने बताया कि यह प्रकल्प गुरु शिष्य परम्परा को

आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में 5 श्रेष्ठ शिक्षकों का वन्दन एवं 3 मेधावी छात्रों का वन्दन किया गया।

द्रोण देहरादून : शाखा द्वारा गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर अम्बावती विद्यालय, पंडितवाडी में निबंध, कविता, स्पीच एवं शबद संकीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देहरादून के विभिन्न विद्यालयों से 70 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरदार जयमल सिंह, उपाध्यक्ष राष्ट्रीय सिख संगत, प्रधान लखि शाह गुरुद्वारा एवं विशिष्ट अतिथि जसमीत सेठी, प्रान्तीय अध्यक्ष राष्ट्रीय सिक्स संगत, अनिल वर्मा, प्रान्तीय संगठन मंत्री, जी.के. मन्दोला का सानिध्य रहा। प्रतिभागी एवं विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

सृष्टि पिलखुवा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : शाखा ने संस्कृति सप्ताह का शुभारंभ सुन्दर कांड के भव्य आयोजन से किया। कार्यक्रम में महिलाओ ने भाग लेकर पुण्य का लाभ उठाया। गोपाल पंचायती गौशाला में गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाया गया। शाखा संरक्षक कवि अशोक गोयल ने गौसेवा से संबंधित जानकारी प्रस्तुत किया। मार्गदर्शक बीना गोयल ने कहा कि गाय की सेवा से बहुत ही पुण्य का फल मिलता है। भारत ही ऐसा देश है जिसमें गाय को माता का दर्जा दिया गया है।

मेरठ मुख्य, हस्तिनापुर : शाखा द्वारा अपने सौभाग्यवती भव कन्या विवाह प्रकल्प के अन्तर्गत एक कन्या का विवाह नन्दलाल सेखड़ी सरस्वती शिशु मंदिर, रामनगर में पूरे विधि विधान से सम्पन्न कराया गया। संयोजक अनिल अग्रवाल द्वारा पूरी व्यवस्था की गई। स्कूल की प्रिंसिपल ब्रज बाला गोयल व स्टाफ ने व्यवस्था बनाने में पूर्ण सहयोग किया। विवाह समारोह में दोनों पक्ष से 25-25 लोग शामिल हुए। विवाह में शाखा के सदस्य सरल माधव, अंकित सिंघल, डॉ. सतीश चंद शर्मा, हरशरण, डॉ. अशोक अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। कन्या विवाह समिति नंदलाल सेखड़ी सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्य एवं समस्त कार्यकारिणी को भवन उपलब्ध कराने एवं विवाह में सुन्दर व्यवस्था कराने के लिए धन्यवाद दिया गया।

मेरठ मेन, हस्तिनापुर : शाखा द्वारा निर्धन कन्या का विवाह।

मुजफ्फरनगर : नगर की सम्राट व कीर्ति शाखा द्वारा शहर के गौशाला नदी रोड पर परमकीर्तिशरण अग्रवाल, राम कुमार तायल के सानिध्य में गऊ सेवा की गई। कार्यक्रम में प्रेम प्रकाश, पी. के. गुप्ता, प्रवीण सिंघल, अशोक गोयल, प्रीतम सिंघल, सुदेश गुप्ता सहित दोनों शाखाओं के दायित्वधारी उपस्थित रहे।

सम्राट मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा जिला चिकित्सालय क्षय रोग विभाग में मुख्य अतिथि डॉ. एम.एस. फौजदार, मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ. लोकेश गुप्ता, अध्यक्ष क्षय रोग विभाग एवं परमकीर्तिशरण अग्रवाल, शशिकान्त मित्तल की उपस्थिति में क्षय रोग से पीड़ित बच्चों में राशन वितरण किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि शाखा द्वारा क्षय रोग से पीड़ित बच्चों में राशन एवं दवाई के साथ-साथ पोषित आहार वितरण से उन्हें शीघ्र स्वस्थ लाभ प्राप्त होगा। शाखा ने बच्चों को गोद लेकर अनुकरणीय कार्य किया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. लोकेश गुप्ता, शशिकान्त मित्तल, अजय अग्रवाल, डॉ. वी.डी. भारद्वाज आदि का विशेष सहयोग रहा।

मुजफ्फरनगर विवेक : शाखा द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों की सानिध्य में एक सभा विश्वदीप गोयल की अध्यक्षता में ट्यूलिप बैंकट हॉल में सम्पन्न की गई जिसमें सचिव का कार्यभार डॉ. अमित वर्मा द्वारा संभाला गया। गुरु वंदन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्कृष्ट गुरुजनों का सम्मान एवं मेधावी विद्यार्थियों का अभिनन्दन किया गया। एकादशी उद्यापन पर तुलसी विवाह का

ब्रज उत्तर : अलीगढ़ शाखा के आतिथ्य में प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता सम्पन्न

आयोजन किया गया।

ब्रज उत्तर : अलीगढ़ शाखा के आतिथ्य में प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन एस.जे.डी.मेमोरियल पब्लिक स्कूल में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. तरुण शर्मा, विशिष्ठि अतिथि जे.पी.गुप्ता, डॉ. अनिल कुमार वार्ष्णेय व अन्य मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। निर्णायक मंडल द्वारा वरिष्ठ वर्ग में एस.जे.डी.पब्लिक ने प्रथम एवं केशव इण्टर कॉलेज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग मे रेडियेंट पब्लिक स्कूल प्रथम, आदर्श जूनियर हाई स्कूल ने द्वितीय स्थान घोषित किया गया। प्रतियोगिता का संचालन प्रज्ञा वार्ष्णेय द्वारा किया गया। इस आयोजन में देवेन्द्र मोहता, इन्द्र स्वरूप भटनागर, राजीव शर्मा, नीलम शर्मा, डॉ. मनमोहन गोयल, ख्यालीराम वार्ष्णेय, दुर्गेश वार्ष्णेय, अंजुम गुप्ता सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

मानसरोवर लखनऊ, अवध प्रदेश : शाखा द्वारा रेड रोज सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, राजाजीपुरम में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 41 सर्वश्रेष्ठ शिक्षक/शिक्षिकाओं एवं 36 प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मान पत्र एवं मेडल देकर वन्दन एवं अभिनन्दन किया गया। प्रान्तीय महासचिव सच्चिदानन्द श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों/शिक्षिकाओं को संस्कारवान बनने/बनाने, नशा मुक्ति, स्वच्छता स्वयं बनाये रखने तथा औरों को भी प्रेरित करने की शपथ रविकान्त निगम, प्रान्तीय प्रकल्प संयोजक द्वारा दिलवाई गई। सेन्ट्रल एकेडमी इन्दिरानगर में दूसरा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 15 शिक्षक/शिक्षिकाओं का वन्दन एवं 73 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर प्रकल्प संयोजक ने परिषद् का परिचय देते हुए गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला।

महिला चौक लखनऊ : शाखा द्वारा स्थानीय दो विद्यालयों में बाल दिवस का आयोजन किया गया। माहात्मा गाँधी इण्टर कॉलेज में विद्यार्थियों के मध्य सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, कविता, गीत आदि का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 126 बच्चें को बिस्कुट और केला का वितरण किया गया। बालिका विद्यालय मोतीनगर लखनऊ में भी छात्राओं के मध्य विभिन्न गेम्स का आयोजन किया गया। अवध गौशाला बाग महानारायण में गायों का विधिवत पूजन करके गुड़, दाल, हरी चरी, चूनी आदि का भोग लगाया गया।

काशी, काशी प्रदेश : शाखा का दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। स्थानीय सूर्या होटल में बाल दिवस पर भव्य आयोजन किया गया। इसमें 25 बच्चों की सहभागिता रही जिन्होंने अपना एक से बढ़कर एक प्रदर्शन दिया। प्रतिभागी बच्चों को चिप्स, चॉकलेट आदि भेंट की गई। शाखा द्वारा एक गरीब कन्या के विवाह के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

शक्ति : शाखा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर सारनाथ वृद्धाश्रम में वृद्ध जनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में एसीएम वाराणसी पूर्णेन्दु पटेल एवं बुध मंदिर से डॉ. के. श्री सुमेघा थिरो, कुमुद लता त्रिपाठी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उपस्थित रहे। छात्रों को भारत के गौरवशाली इतिहास से बच्चों को समृद्ध करने के लिए 'भारत को जानो' प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में प्रान्त की 20 शाखाओं के 80 प्रतिभागियों की सहभागिता रही। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में सन जान स्कूल जौनपुर प्रथम, बोस पब्लिक स्कूल नारायणपुर द्वितीय तथा संत अतुलानन्द

वाराणसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कनिष्ठ वर्ग में बोस पब्लिक स्कूल नारायणपुर प्रथम, वाराणसी पब्लिक स्कूल द्वितीय व दयामती मोदी एकेडमी तृतीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिता के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में आकाशवाणी गोरखपुर के निदेशक डॉ. नीरजा माधव व विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य निवेदिता शिक्षा सदन बालिका इण्टर कॉलेज सुश्री आनन्द प्रभा सिंह उपस्थित रहे।

प्रयागराज : प्रान्त द्वारा लोकसभा सदस्य केसरी देवी के मुख्यातिथ्य में होटल ट्यूलिप इन के सभागार में सम्मेलन एवं सम्मान समारोह 'उड़ान' का आयोजन किया गया। समारोह में प्रयाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाली इलाहाबाद के माउन्टेनियर्स ग्रुप की 25 महिलाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही 12 ऐसी महिलाएँ जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया उन्हें भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजिका ज्योति श्रीवास्तव, निशा जायसवाल, नेहा सिंह, डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, जुगनू, शिवनन्दन गुप्ता, प्रमोद बंसल सहित अन्य गणमान्य सदस्यों का सहयोग रहा।

प्रयागराज : प्रान्त द्वारा उत्सकृत कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान

मंगलम् : शाखा द्वारा प्रयागस्थ टैगोर टाउन स्थित 'तारा सेवा संस्थान' उदयपुर द्वारा संचालित आनन्द वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री तथा अन्य जरूरत के सामानों को उपलब्ध कराया गया। शाखा अध्यक्ष नागेन्द्र सिंह ने कहा कि असहाय एवं अनाथ वृद्धों की सेवा ईश्वर की सेवा है। सचिव डॉ. उमेश दत्त भट्ट, संरक्षक शिवनन्दन गुप्ता, डॉ. श्यामल कुमार मुखर्जी, गीता रानी, अनामिका दीप बरनवाल, प्रान्त सचिव सुनील धवन अन्य सदस्यों द्वारा खाद्य सामग्री वृद्धाश्रम के प्रबंधक दयाराम जायसवाल को समर्पित किया गया।

झाँसी, बुन्देलखण्ड : शाखा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में सदर बाजार स्थित आर्य समाज मंदिर में महर्षि दयानन्द वैदिक विद्या मंदिर में शिक्षा ग्रहण करने वाले 16 बच्चों में ड्रेस, स्वेटर का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल के प्रधानाचार्य मीनू सचदेवा रहीं। साथ ही विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य ने निर्धन बच्चों की सहायता के लिए शाखा की प्रशंसा की। इस आयोजन में दिनेश प्रभा यादव, विनोद अग्रवाल, संजय जैन सहित अन्य सदस्यगण का सराहनीय सहयोग रहा। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत शाखा के तत्वावधान में संयोजक डॉ. कृष्ण मोहन अग्रवाल के नेतृत्व में सदर बाजार में भारत माता रथ यात्रा निकाली गई। शाखा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में फूटा चैपड़ा स्थित इस्कॉन मंदिर की गौशाला में सेवा प्रकल्प के तहत गौ सेवा के तहत चरणाविन्द दास महाराज ने सेवा संकल्पक मनीष मधु अग्रवाल द्वारा गौ पूजा सम्पन्न कराई गई।

औरैया, ब्रह्मावर्त : शाखा द्वारा सामूहिक सरल विवाह प्रकल्प के अन्तर्गत 7 जोड़ों की निःशुल्क शादी करवाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश लाखन सिंह राजपूत एवं जिलाधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष देवेन्द्र त्रिपाठी, सचिव अंकित गहोई, वित्त सचिव हरमिन्दर सिंह, रीजनल मंत्री सेवा राधेश्याम अग्रहरी, प्रान्तीय संरक्षक विवेक कुलश्रेष्ठ, प्रान्तीय महासचिव अशोक त्रिपाठी, प्रान्तीय उपाध्यक्ष डॉ. रमेश शुक्ला, समन्वय समित के जिलाध्यक्ष विनय अग्रवाल जयवंतनगर शाखा एवं तुलसी इटावा से आये हुए पदाधिकारियों ने वर वधू को आशीर्वाद दिया।

उन्नाव : शाखा द्वारा मैचलेस इंटर कॉलेज गाँधी नगर में गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शुभारंभ के उपरान्त क्षेत्रीय मंत्री राधेश्याम गुप्ता अग्रहरी ने गुरु जी के

औरैया, ब्रह्मावर्त : शाखा द्वारा जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक सरल विवाह।

व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रान्तीय संयोजक एचपीएस लामा, सचिव सुभाष चोपड़ा एवं मुख्य वक्ता अमर सिंह द्वारा सारगर्भित एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। कॉलेज के छात्रों द्वारा गुरु जी पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये गये जिसका मूल्यांकन प्रान्तीय दायित्वधारियों ने किया और अन्नया पटेल को प्रथम पुरस्कार डॉ. एचपी भारद्वाज स्मृति चिन्ह उनकी पत्नी शारदा देवी द्वारा प्रदान किया गया। अन्य छात्रों को सांत्वाना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कोरोना वॉरियर्स के रूप में डॉ. एस.एन.गुप्ता, आशा ए.एन. एम. एवं संध्या सिंह, पत्रकार कामता सिंह एवं सुधीर को माला पहनाकर, अंग वस्त्र व प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया।

ब्यावर, राजस्थान मध्य : शाखा सचिव प्रशांत पाबूवाल ने बताया कि शाखा द्वारा सुभाष चौक अजमेरी गेट के बाहर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें कुन्नुर हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल विपिन रावत व उनकी पत्नी एवं 11 सैनिकों को परिषद् सदस्यों, अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों व महिलाए व बच्चों द्वारा पुष्पांजलि देकर आदर भाव व कृतज्ञता प्रकट की गई। वीरों को नमन करते हुए लक्ष्मणदास गुरनानी, नरेश कनौजिया, डॉ. अर्जुन कृपलानी, हरीश सांखला ने शब्दों के रूप में अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभा स्थल पर यशपाल शर्मा द्वारा रंगोली बनाई गई तथा दीपों से सजाया गया। शाखा द्वारा विवाह पंचमी के पावन अवसर पर सेवा, सहयोग प्रकल्प के तहत विधवा पुत्री विवाह में कन्यादान में सहयोग देकर सहायता की गई। सहयोग के रूप मे कन्या को घरेलू सामान जैसे एक पलंग, एक अलमारी, गद्दा, रजाई, चादर, रसोई के सभी प्रकार के बर्तन, सिलाई मशीन, गैस चूल्हा, एक चांदी की पायजेब, साड़ियाँ व कुछ अन्य उपयोगी सामान दिये गये।

डूंगरपुर, राजस्थान दक्षिण : केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2021 में डूंगरपुर नगर को राष्ट्रीय स्तर पर क्लिनेस्ट सिटी एवं गार्बेज फ्री सिटी के रूप में थ्री स्टार से सम्मानित किए जाने पर भारत विकास परिषद् द्वारा सभापति अमृत कलासुआ, उपसभापति सुदर्शन जैन, आयुक्त नरपत सिंह राव का शाल को पगड़ी एवं उपरणा से तथा पार्षद गण बाबूलाल श्रीमाल, जयेश लोधावरा, बृजेश सोमपुरा, भूपेश शर्मा तथा भारतेन्दु पाण्डया आदि का उपरणा ओढ़ाकर रीजनल सेक्रेटरी गिरीश पानेरी, प्रान्तीय संगठन मंत्री दिनेश श्रीमल, मुख्य शाखा के संरक्षक पूरणमल दावड़ा, सचिव ईश्वर लाल भट्ट, कोषाध्यक्ष डाया लाल मोची, उपाध्यक्ष मांगीलाल कुम्हार, प्रकल्प प्रभारी मुकेश श्रीमाल आदि द्वारा सम्पर्क से समर्पण अभियान के अन्तर्गत अभिनन्दन किया गया।

सुमेरपुर, राजस्थान पश्चिम : शाखा द्वारा आदीवासी विद्यालय के जरूरतमंद विद्यार्थियों में सहायता सामग्री का वितरण

सुमेरपुर शिवगंज, राजस्थान पश्चिम : शाखा के तत्वावधान में प्रमिला गहलोत, महिला एवं बाल विकास की

प्रेरणा से दानदाता हेम सोखिया (यूएसए) के सहयोग से आदिवासी क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय पिपलिया भीमाना जिला पाली में अध्ययनरत जरूरतमंद 52 छात्र-छात्राओं में स्वेटर, टोपी, मोजे आदि का वितरण किया गया।

महानगर जयपुर, राजस्थान उत्तर पूर्व : शाखा द्वारा सुमेर पैराडाइस मुहाना मंडी रोड जयपुर पर दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नये सदस्यों को अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। शाखा सचिव विजय कुमार खूँटेटा ने वर्ष भर किये गये। कार्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई। कार्यक्रम में लक्की ड्रा एवं एकल गीत प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

मालवीय नगर जयपुर : शाखा सदस्यों ने दीपोत्सव पर समाज का कोई भी वर्ग वंचित न रहे। इसी भाव को रखते हुए त्रिवेणी नगर पुलिया के पास घुमंतू समाज के 20 बन्धुओं में दीपावली सामग्री लक्ष्मी गणेश की मूर्ति और मिठाई का पैकेट भेंट की गई। कार्यक्रम में सचिव गिरिराज किशोर गुप्ता, सह सचिव अशोक कुमार गुप्ता व सदस्य ओम प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

भिवाड़ी : शाखा द्वारा आयोजित भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कनिष्ठ और वरिष्ठ दोनों वर्गों में यूसीएसकेएम स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रकल्प संयोजक डॉ. नितिन रस्तोगी ने बताया कि प्रान्त द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता में शाखा की ओर से पाँच विद्यालयों के लगभग 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

भरतपुर, राजस्थान पूर्व : शाखा द्वारा अन्नकूट प्रसादी का कार्यक्रम द पार्क रिसोर्ट में आयोजित किया गया। जिसमें लाला शंकर ग्यावला तथा उमेश सिंघल के द्वारा मंत्रोचारण और बिहारी जी की आरती कर ठाकुर जी के चरणों में दीप प्रज्जवलित किया गया। इस अवसर पर शाखा सदस्यों सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सूरतगढ़, राजस्थान उत्तर : शाखा द्वारा नवीन आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संरक्षक डॉ. के.एल.बंसल, अध्यक्ष रमेश आसवानी, घनश्याम शर्मा, शिव शंकर सोमानी, रामेश्वर मंगलाव व प्रधानाचार्य चन्द्र प्रकाश द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के दो मेधावी विद्यार्थियों का अभिनन्दन किया गया। शाखा द्वारा भारत को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सम्पन्न हुई जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

सुभाष कोटा, राजस्थान दक्षिण पूर्व : शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन का आयोजन स्वामी विवेकानन्द विद्यालय महावीर नगर तृतीय में किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलवाई गई। शाखा के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा गुरुजनों को नमन् किया गया। शाखा द्वारा गुरुजनों को सर्टिफिकेट एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया एवं मेधावी छात्रों का अभिनन्दन किया गया।

भवानीमंडी : शाखा द्वारा नेत्रदान जागरूकता के उद्देश्य से शाइन इंडिया फाउण्डेशन एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन नेत्रदान महादान पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें देशभर से सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कोटा निवासी रत्ना दाधीच ने प्रथम, द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से मेघा गुप्ता, भवानीमंडी और श्रेयान गुप्ता मुम्बई तथा श्रद्धा तलवाडिया पचपाहड, दिशा सगवारिया, वैशाली खण्डेलवाल और अलका तोतला को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के जज डॉ. अंकिता रूठिया, इन्दौर, स्नेहलता मालवा, कोटा, शाइन इंडिया फाउण्डेशन ज्योति मित्र ज्योति चौरसिया एवं सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्टी मनोज शर्मा, झालावाड़ रहे।

बारां : शाखा द्वारा स्नेह मिलन एवं विभिन्न गतिविधियों का आयोजन स्थानीय आर.के.गार्ड में सम्पन्न किया गया। सचिव हितेश खण्डेलवाल ने बताया कार्यक्रम में परिषद् परिवार के लगभग 150 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे। शाखा अध्यक्ष मुकेश गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में अनेक प्रतियोगिताएं जैसे छोटे बच्चों द्वारा डान्स, मनोरंजन गेम का आयोजन किया गया। वहीं महिलाओं एवं पुरुषों के लिए युगल नृत्य, अंताक्षरी, गाना पहचानो आदि मनोरंजन कार्यक्रम, एक मिनट गेम एवं कविता पाठ, चुटकुलों आदि करवाये गये। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

वीर तात्या टोपे शिवपुरी, मध्य भारत उत्तर : शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहर के 12 श्रेष्ठ गुरुओं का वन्दन एवं 12 मेधावी विद्यार्थियों का अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संगम अग्रवाल ने

वीर तात्याटोपे, मध्य भारत उत्तर : शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम सम्पन्न

किया। इस अवसर पर हरिओम अग्रवाल, सुरेश बंसल, दलजीत भाटिया सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

सोमनाथ, सौराष्ट्र कच्छ : शाखा द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत श्रीराम मंदिर सभागार में एक खूबसूरत कॉमेडी कार्ट का आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्ध कलाकर मिलनभाई त्रिवेदी, धरमभाई बकानी और नौशादभाई कोटडिया ने अपने अंदाज में कॉमेडी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं निर्देशन मनोज भाई भूपटानी ने किया। दूसरा कार्यक्रम स्नेह मिलन पीयूषभाई फोफंडी, नगर संघचालक ईश्वरभाई अहरा, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुल सचिव दशरथ भाई जादव, डॉ. जयेशभाई वधासिया, कपिलभाई मेहता की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जिसका शुभारंभ धर्मेशभाई एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नीलेशभाई, महिला संयोजिका रूपलबेन सोमैया, हितेशभाई विठ्ठलानी एवं कोषाध्यक्ष नितेशभाई अमलानी का सराहनीय योगदान रहा।

केशोद : शाखा द्वारा पाठक स्कूल परिसर में पारिवारिक स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति रही। शाखा की स्थाई परियोजना वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत पौधों का रोपण एवं उनकी देखरेख आदि के लिए टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा पौधों में समय पर पानी, महीने में दो बार निराई-गुड़ाई का कार्य किया जायेगा।

Kerala & Lakshadeep Prant: Prant conducted Bharat Ko Jano Quiz competition at Chinmaya Arts & Science College, Thripunithura. In which 8 students from Junior and 7 students from Senior were participated. Dr Harish Kumar H, Secretary of Kochi Main was the Quiz Master. The result of the quiz i.e. in Junior Group: 1st Prize - Advaith A Shenoy, TD High School, 2nd Prize Niranjana Manayil, Bhavans Munshi Ashram, Third Prize -(shared by) – Pranav KR, Bhavans Munshi Ashram & Abhinav M Bhat, TD High School. And in senior Group: Seniors Group: 1st Prize - Akshit J, Sree Narayana Public School, 2nd Prize - Keerthy Jayachandran, Bhavans Munshi Ashram, 3rd Prize - Vikhyath Ramakrishna, Bhavans Munshi Ashram. On this occasion, Pranth President Rajagopal Pai, Priya C Pillai and Principal of Chinmaya Vidyalaya School were also present.

Kerala : Prant organised Bharat Ko Jano competition.

भारत विकास परिषद् पांचाल शाखा एवं फतेहगढ़ शाखा ने संयुक्त रूप से आलाबलपुर स्थित वृद्धाश्रम में मकरसंक्रांति एवं विवेकानंद जयंती के पर्व पर पहुँच कर कार्यक्रम में सर्वप्रथम भारतमाता एवं विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं

पुष्पार्पण किया स ततपश्चात परिषद् के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ वृद्ध जनों ने भी परिषद् की परंपरा के अनुसार बंदेमातरम गीत को मधुर स्वरों में गाया स उपस्थित 60 महिला पुरुष वृद्धजन एवं 15 कर्मचारियों की उपस्थित में से कुछ वृद्धों ने बहुत ही सुन्दर भजन प्रस्तुत किये स परिषद् परिवार ने उपस्थित सभी लोगों को खिचड़ी गजक पापड एवं आचार का भोजन कराया एवं ठण्ड से बचाव हेतु प्रत्येक वृद्धजन को मोजे एवं टोपी भेंट की स कार्यक्रम में वृद्धाश्रम के प्रवन्धक मयंक सिंह ने उपस्थित सभी लोगों को कोरोना से सम्बंधित जानकारी देते हुए उससे बचने के उपाय भी बताये स कार्यक्रम में प्रांतीय सेवा उपाध्यक्ष कन्हैया लाल जैन पांचाल शाख के अध्यक्ष राजीव पुरवार कोषाध्यक्ष आलोक रायजादा फतेहगढ़ शाखा के अध्यक्ष प्रवीण माथुर सचिव अजीत यादव कोषाध्यक्ष सरदार जगदीप सिंह पांचाल शाखा की महिला संयोजिका श्रीमती रत्नेश पाल आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान मध्य प्रांत की अरावली अजमेर शाखा द्वारा विषम परिस्थितियों में आज सरल सामूहिक विवाह कार्यक्रम फॉय सागर रोड स्थित हंस पेरेडाइस समारोह स्थल पर आयजित किया गया। सरल सामूहिक विवाह में तीन निशक्त जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर ब्रजलात हाड़ा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण है। महापौर ने कहा की सरल विवाह का आयोजन समाज की आवश्यकता है। कोरोना गाइडलाइन के चलते कार्यक्रम को तीन भागों में किया गया और कोविड गाइडलाइन की पालना में कार्यक्रम संपन्न हुआ। शाखा परिवार और भामाशाहों में सहयोग से परिवार के जरूरत के 64 समान एक जोड़े को उपहार में दिए गए जिसमें पलंग, अलमारी, सिलाई मशीन , साड़ियों सहित घर के जरूरत का सभी सामान थे।

साहिबाबाद संदेश : ''संदेश'' शाखा द्वारा अपने गठन के प्रथम वर्ष में कोविड-19 में साहस पूर्वक पहल करते हुए रविवार 12 दिसंबर 2021 को ए. के चिल्ड्रन अकैडमी राजेंद्र नगर में 'मंगलसूत्र' सरल सामूहिक विवाह का सफलता पूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें आर्थिक विषमताओं से जूझते हुए परिवारों की 5 कन्याओं का विवाह संपन्न किया गया। इन कन्याओं के हाथ पीले करने के साथ साथ इनको शाखा द्वारा उनके ग्रहस्थ जीवन को चलाने हेतु पर्याप्त सामान भी दिया गया। शाखा द्वारा हर कन्या के साथ एक अभिवावक भी शाखा से नियुक्त किया है जोकि उनके दाम्पत्य जीवन को सुखद बनाने हेतु कार्यशील है। कार्यक्रम में आशीर्वाद देने परिषद के केन्द्रीय, क्षेत्रिय, प्रान्तीय, शाखा सदस्यों अन्य समाज सेवी संस्थाओं एवम शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ■

साहिबाबाद संदेश द्वारा आयोजित सरल सामूहिक विवाह

नारी सशक्तिकरण व समसामयिक चुनौतियां

भारतीय नारी को सदियों से शोषण, अत्याचार व कुरीतियों के परदे में रखा गया। अपने अस्तित्व व गरिमा हेतु भारतीय नारी ने समाज के सहयोग से शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई। माँ, बेटी व बहन के स्वरूप में पूजनीय मातृशक्ति ने व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध जन आन्दोलन का सहारा लेकर कानून का दरवाजा खटखटाया और समय-समय पर कानून ने रक्षा की।

20वीं सदी के प्रारंभ में प्रचलित सती प्रथा व बाल विवाह के विरुद्ध में तथा विधवा पुनर्विवाह हेतु कानून बने। इन सामाजिक कुरीतियों पर कानूनी विराम लगते ही नारी व्यक्तित्व के विकास के लिए अग्रसर हुई। भारत की आजादी में योगदान के बावजूद परदा प्रथा, अशिक्षा, रोजगार के अवसरों में भेदभाव नई चुनौतियाँ बन खड़े हुए।

60-70 के दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में नारी की भागीदारी शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में बढ़नी प्रारंभ हुई। कन्याओं के लिए शिक्षण संस्थान खुले परन्तु रोजगार के अवसर केवल अध्यापन, नर्सिंग तक ही सीमित रहे। साइंस, टेक्नोलॉजी, अनुसंधान, पुलिस, सेना आदि अन्य क्षेत्रों में नारी हेतु रोजगार पर अघोषित बैन था। पुरुष प्रधान समाज की संगिनी का, समाज को सब कुछ सौंप कर भी नारी का अस्तित्व अधूरा था। यह अस्तित्व इस युग में 'परदा-अशिक्षा-सीमित रोजगार-बड़ा परिवार' के सामाजिक दुष्चक्र में फंसा था। झाँसी की रानी, सरोजनी नायडू जैसी विलक्षण प्रतिभाओं की श्रेणी में 1971 के युद्ध के बाद इंदिरा गाँधी, तत्कालीन प्रधानमंत्री के कुशल प्रबंधन व निर्णय की प्रशंसा कर अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व प्रधान मंत्री ने नारी कौशल एवं प्रतिभा के नये युग का आगाज किया।

20वीं सदी के प्रारंभ में प्रचलित सती प्रथा व बाल विवाह के विरुद्ध में तथा विधवा पुनर्विवाह हेतु कानून बने। इन सामाजिक कुरीतियों पर कानूनी विराम लगते ही नारी व्यक्तित्व के विकास के लिए अग्रसर हुई।

देश की बढ़ती जनसंख्या के निवारण हेतु परिवार नियोजन ने जहाँ बढ़ते बड़े परिवारों को सीमित किया वहीं नारी को सतत् प्रसव, परिवार की बढ़ती परेशानियों से निजात दिलाकर शिक्षा व रोजगार के लिए अग्रसर किया। शिक्षा व रोजगार में बढ़ते कदमों ने 'परदा प्रथा' से मुक्ति दिलाई और नारी चल पड़ी भारतीय समाज में अपने पूर्ण अस्तित्व की ओर पारिवारिक एवं भारतीय संस्कारों के साथ।

20वीं सदी के अंतिम दशकों में भारतीय नारी के अस्तित्व को कानून ने और सशक्त किया। कहना गलत न होगा कि दहेज विरोधी कानून, कन्या भ्रूण हत्या, लिंग जांच विरोधी कानून ने पुरुष प्रधान समाज में नारी की एक स्वतंत्र पहचान स्थापित की। नारी सशक्तिकरण के इस सफर में पुरुष प्रधान समाज का टैग अब फीका हो चला था। साथ ही नारी के नारी द्वारा शोषण भी क्षीण हो गए थे। वे चाहे सास, ननद या परिवार के अन्य स्त्रियों द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ना हो या 'बेटे' की आस लगाए पारिवारिक नारी संबंध जैसे दादी, सास व समाज की अनेक नारियों के शोषण के कारण कन्या भ्रूण हत्या जैसी अपराधिक सोच हो। आत्म रक्षा प्रशिक्षण लेने वाली नारी आज पुरानी शोषण वाली प्रथाओं को किंवदतियों में बदलकर नया इतिहास रचने चली थी। शिक्षा, तकनीक, विज्ञान, प्रबन्धन, प्रोफेशनल, होटल मैंनेजमेंट, चार्टड अकाउटेंट, पुलिस, सेना, अंतरिक्ष विज्ञान, अनुसंधान हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है। इसी काल में देश में अनेक विलक्षण प्रतिभाएं चर्चा में आई जैसे सुनीता विलियम्स, कल्पना चावला, चंदा कोचर, प्रिया झिंगन, किरण बेदी तथा हजारों अन्य।

80-90 के दशकों में भारतीय नारी के मजबूत कदम चुल्हे चौके से प्रबन्धन बोर्ड रूम तथा अंतरिक्ष अनुसंधान तक पहुँच चुके थे। किन्तु एक बड़ा अशिक्षित व बेरोजगार नारी वर्ग आर्थिक गुलामी और भविष्य की चिन्ता से निराश था। पिता की संपत्ति में समान अधिकार देकर

कानून ने उस मजबूर बेटी के आर्थिक हितों की रक्षा भी की।

21वीं सदी के डिजिटल युग की नारी जागरूक, शिक्षित व सशक्त नारी ने आर्थिक, राजनैतिक व सामाजिक जीवन में नारी सशक्तिकरण का परचम लहराया। अब केवल कन्या विद्यालय गर्ल्स कॉलेज के स्थान पर को-एड शिक्षण संस्थानों का सिलसिला चल पड़ा था, यह भी एक सामाजिक बदलाव का दृष्टिकोण है। भारतीय नारी की दशा व दिशा में हुए परिवर्तन के साथ नई चुनौतियाँ भी उभर आई। क्रमशः बच्चों को पढ़ाना, पति अथवा घर के उद्योग/व्यवसाय में हाथ बटाना। रोजगार हेतु आवश्यकता पड़ने पर देश-विदेश की यात्राएँ करना आदि। भारतीय संस्कारों से ओत-प्रोत खाना पकाना, सास-ससुर की सेवा, आतिथ्य सत्कार परम्परागत कार्य पूर्ववत रहे। स्वयं व परिवार को समसामयिक चुनौतियों से अपडेट रखना भी एक बड़ी चुनौती रही। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर अपने वृद्ध माता-पिता की सेवा करने की एक नई चुनौती सामने आ गई।

60 के दशक की भाँति बड़े व संयुक्त परिवार लुप्त हो चले। परिवार एक व दो बच्चों तक सिमटते गए। परिवार में एक बेटी अथवा दोनों बेटी ही हो तो वृद्ध माता-पिता को क्या वृद्धाश्रम छोड़ा जाए यह एक सामाजिक मूल का यक्ष प्रश्न बन गया। एक बेटा व एक बेटी के परिवार में भी यदि बेटे का रोजगार देश-विदेश कहीं दूर है और माता पिता बेटे के साथ सुविधाजनक नहीं है तो क्या वे वृद्धाश्रम जाए?

पिछले 100 वर्षों के भारतीय समाज में नारी स्वावलम्बन की अद्भुत गति ने इस यक्ष प्रश्न को पटल पर रखा है। हालांकि ऐसे प्रसंग है जहाँ नारी अपने बच्चों, सास ससुर की सेवा के साथ अपने माता पिता की दखभाल भली भाँति कर रही है। किन्तु ऐसे प्रसंग बहुत ही कम है। हिन्दू संस्कार व रीति रिवाजों की श्रृंखला में महिला हेतु परिवार नियोजन, स्वावलम्बन, रोजगार, उच्च शिक्षा जैसे शब्द गत 40-45 वर्षों में जुड़े हैं। इनके अनुरूप बेटी द्वारा माता पिता की सेवा हेय दृष्टि से देखी जाती है। इसी के अंतरनिहित बदलते परिवेश में सशक्त भारतीय नारी को समसामयिक चुनौतियों से दो-चार होना होगा। एक बार नए सिरे से सोचना होगा कि बेटी द्वारा माता पिता की सेवा स्वीकार्य है अथवा शहरों में बढ़ते हुए वृद्धाश्रमों का चलन।

यह बात लम्बे समय से कही जा रही है कि अगर भारत को एक बड़ी आर्थिक ताकत बनाना है, तो अपने देश की महिलाओं के श्रम की महत्ता को समझना होगा। महिलाओं के श्रम को आर्थिक दृष्टि से बराबर का सम्मान देना होगा। साथ ही तमाम आर्थिक गतिविधियों में बराबर का महत्व देना होगा। यदि बड़े पैमाने पर महिलाएँ नकदी श्रम का हिस्सा बन जाती हैं, तो इससे न सिर्फ अर्थव्यवस्था को जबरदस्त सामाजिक और नैतिक बल मिलता है, बल्कि अर्थव्यवस्था के बहुआयामी विकास का रास्ता भी साफ होगा। अब वक्त आ गया है कि महिलाओं के श्रम को न सिर्फ भावनात्मक रूप से समझा जाए, बल्कि उनके श्रम को आर्थिक और सामाजिक रूप से भी पुरुषों के बराबर रखा जाए। तभी गुहिणियों को अपेक्षित सम्मान मिलेगा और उनके सशक्तिकरण की राह खुलेगी।

-सम्पादक

आइए, मंथन करे

तीन पहर तो बीत गए,
बस एक पहर ही बाकी है।
जीवन हाथों से फिसल गया,
बस खाली मुट्ठी बाकी है।
सब कुछ पाया इस जीवन में,
फिर भी इच्छाएँ बाकी हैं
दुनिया से हमने क्या पाया,
यह लेखा-जोखा बहुत हुआ,
'इस जग ने हमसे क्या पाया,
बस ये गणनाएं बाकी हैं।'
इस भाग दौड़ की दुनिया में,
हमको इक पल का होश नहीं,
वैसे तो जीवन सुखमय है,
पर फिर भी क्यों संतोष नहीं!
क्या यूँ ही जीवन बीतेगा,
क्या यू ही सांसें बंद होंगी?
औरों की पीड़ा देख समझ
कब अपनी आँखें नम होंगी,
मन के अंतर में कहीं छिपे
इस प्रश्न का उत्तर बाकी है।
मेरी खुशियाँ, मेरे सपने
मेरे बच्चे, मेरे अपने
यह करते-करते शाम हुई
इससे पहले कि शाम ढ़ले
कुछ दूर परायी बस्ती में,
इक दीप जलाना बाकी है।
तीन पहर तो बीत गये,
बस एक पहर ही बाकी है।
जीवन हाथों से फिसल गया,
बस खाली मुट्ठी बाकी है।
-साभार

सन्त रविदास जी

भारतीय संस्कृति में अपना विशेष योगदान देने वाले सन्त रविदास जी का जन्म संवत 1433 अर्थात सन् 1376 ई. में माघ माह की पूर्णिमा को रविवार के दिन श्री संतोखदास उर्फ रग्घु के घर काशी में हुआ था। इनके पूर्वज चर्मकार थे और पिता जी भी चर्मकार का ही व्यवसाय करते थे। इनकी माता का नाम श्रीमती कलसा देवी बताया जाता है। संत रविदास जी का जन्म रविवार के दिन होने के कारण इन्हें सभी लोग रविदास कहकर पुकारने लगे। रविदास जी बचपन से ही साधु संतों की संगत में रहने लगे थे। सन्त रविदास को सन्त रैदास के नाम से भी सभी लोग जानते हैं। चूँकि सन्त रविदास के पूर्वज चर्मकार थे इस लिए रविदास जी ने भी वही व्यवसाय शुरू कर दिया। सन्त रविदास का व्यवहार बचपन से ही बहुत ही मधुर था।

रविदास को नौ वर्ष की आयु से ही श्रीराम की भक्ति लग्न लग गई थी। ये बहुत ही परोपकारी स्वभाव के थे, जब किसी साधु-सन्त को दुखी देखते थे तो उन्हें बिना मूल्य लिए ही जूते आदि दे देते थे। रविदास जी ने बचपन से ही चमत्कारिक कार्य किये थे, जिनसे लोगों में उनके प्रति काफी आस्था हो गई थी और लोग उन्हें संत कहने लगे थे। अपने अलौकिक चमत्कार से ही उस काल में हो रही गौ हत्या को भी बंद करा दिया था। रविदास जी के माता-पिता द्वारा उनकी इच्छा न होते हुए भी उनकी शादी इसलिए कर दी थी कि वह अपनी

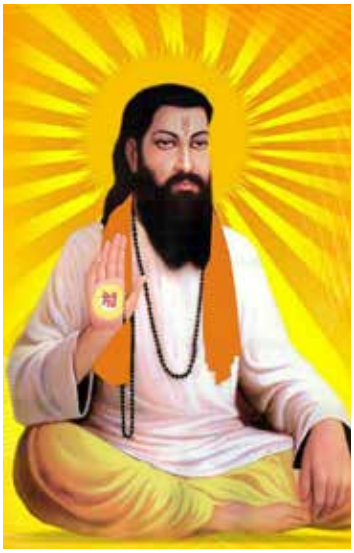

सांसारिक दायित्व पूर्ति में व्यस्त होकर साधु-संतों की संगत व सत्संग आदि को छोड़ देगा, लेकिन जितना भी उन्हें उनके भक्ति भाव से दूर करने का प्रयास किया गया, वे उतने ही भक्ति भाव में संलिप्त होते गए।

संत रविदास जी ने अपनी मधुर वाणी से आध्यात्मिक, बौद्धिक व सामाजिक क्रांति का सफल नेतृत्व किया। उन्होंने जाति-पाँति एवं साम्प्रदायिकता का भरपूर विरोध किया। बचपन से ही ये बहुत ही तीव्र-बुद्धि वाले एवं सत्य वचन बोलने वाले थे।

सन्त रविदास जी का जन्म ऐसे काल में हुआ था जब मुगलों का शासन था और चारों ओर समाज में गरीबी, भ्रष्टाचार व अशिक्षा जैसी कुरीतियों ने अपने पाँव पसार रखे थे, तब संत रविदास जी ने देश के लिए अपना अनूठा योगदान दिया और अपने उपदेश के माध्यम से समाज को नया संदेश दिया। रविदास जी जाति-पाँति एवं साम्प्रदायिकता के धुर विरोधी थे।

काशी के पंच गंगा घाट पर रविदास जी की भेंट स्वामी रामानंद जी से हुई और रविदास जी ने उन्हें अपना गुरु बना लिया, तब स्वामी रामानंद जी ने ही संत रविदास जी को गुरुमंत्र "रंम रामाय नमः" दिया। इस मंत्र के सहारे ही संत रविदास जी ने अपने जीवन में योगसाधना और ईश्वरीय साक्षात्कार प्राप्त किया तथा स्वामी रामानंद जी के सानिध्य में ही उन्होंने वेद पुराण आदि का ज्ञान प्राप्त किया। इस सब के साथ-साथ सन्त रविदास जी अपना व्यवसाय भी करते थे तथा अपने व्यवसाय की कभी भी अनदेखी नहीं करते थे।

एक बार सभी शिष्यों ने गंगा स्नान के लिए जाने का कार्यक्रम बनाया, जब रविदास जी से चलने को कहा लेकिन रविदास जी ने गंगा स्नान के लिए चलने से मना कर दिया, जब न चलने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि, मैंने एक ग्राहक को सुबह तक जूती बनाकर देने का वादा किया है, इसलिए नहीं चल सकता, और यदि मनुष्य का मन अंतःकरण से जिस कार्य को करने के लिए तत्पर हो तो वही कार्य करना चाहिए। यदि मन स्वच्छ है तो कठौते के जल से भी गंगा स्नान का पुण्य मिल जाता है। सुना है कि यह कहावत कि, 'मन चंगा तो कठौती में गंगा", चरितार्थ हुई है।

बाबर के शासनकाल में सन्त रविदास जी को अनेक प्रलोभन एवं दबाव देकर

उनका धर्म बदलने के लिए 'सदना पीर' को रविदास जी के पास भेजा गया, लेकिन वह सन्त रविदास के उपदेश सुनकर स्वयं अपना धर्म परिवर्तन कर हिन्दू बन गया। तभी सुल्तान सिकंदर लोधी ने संत रविदास जी को जेल में बंद कर दिया और विभिन्न प्रकार से ध र्म परिवर्तन का डर दिखाया तो एक दिन नमाज के समय सुल्तान सिकंदर ने सन्त रविदास को अपने सामने देख आश्चर्य चकित हो गए और जिधर भी देखा सन्त रविदास ही दिखाई दिए, तब उसने घबरा कर उनसे क्षमा माँग कर रविदास जी को रिहा कर दिया।

सन्त रविदास जी ने हमेशा अहिंसा की वृति का ही पालन किया, तथा मदिरापान, छुआछूत, नशे आदि का घोर विरोध किया। उनका मत था कि 'सारा मानव वंश एक ही पर जीव-तत्व से जीवंत है' संत रविदास जी बड़े ही कोमल हृदय तथा मानव धर्म पर चलने वाले महान संत थे। उनकी प्रतिष्ठा व धर्मनिष्ठ को देखकर चित्तौड़ के महाराजा राणा सांगा की पत्नी झाली रानी भी सन्त रविदास की शिष्या बन गई।

सन्त रविदास ने अपने पद गा-गा कर अपने धर्म की रक्षा की। संत कबीर जी इनके गुरु भाई एवं मीरा बाई इनकी शिष्या थी। एक बार जब सन्त रविदास जी श्री राम नाम के सहारे भव को पार करने का उपदेश दे रहे थे तो तभी कुछ इर्ष्यालुओं ने यह शर्त रख दी कि पत्थर जल पर नहीं तैर सकता तो संत रविदास ने पानी पर पत्थर को तैरा कर दिखा दिया।

संत रविदास जी के पदों का गुरुग्रंथ साहिब में भी समायोजन किया गया है।

सन्त रविदास जी की चित्तौड़ (राजस्थान) में आज भी छतरी बनी हुई है, बताते हैं कि यहीं से महान संत रविदास जी स्वर्गारोहण कर गए।

-रमेश प्रसून, बुलंदशहर (उ.प्र.)

विज्ञान दिवस 28 फरवरी पर विशेष

भारत में आर्यभट्ट, चन्द्रशेखर वेंकट रमन जैसे कई महान वैज्ञानिक पैदा हुए। विज्ञान के क्षेत्र में इन वैज्ञानिकों ने पूरी दुनिया में भारत देश का नाम रौशन किया। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' विज्ञान के प्रति समाज में जागरूकता लाने और वैज्ञानिक सोच पैदा करने के उद्देश्य से पूरे देश में 28 फरवरी 1986 से मनाया जाता है।

28 फरवरी 1928 का दिन भारतीय वैज्ञानिक सी.वी.रमन (चन्द्रशेखर वेंकट रमन) के द्वारा कोलकाता में एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज की गई। जिसे रमन प्रभाव के नाम से जाना जाता है। इस खोज को 1930 में नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1954 में सी.वी.रमन को देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिया गया। इस दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करना, नये प्रयोगों के लिए प्रेरित करना तथा वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है।

इस दिन देशभर में वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रयोगशालाओं में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होते हैं। रसायनिक संरचना के अध्ययन में रमन प्रभाव एक प्रभावी साधन है। रमन प्रभाव में एकल तरंगों, मोनो क्रोमेटिक किरणें जब किसी पारदर्शक द्रव ठोस या गैस से गुजरती है तो इसकी छितराई किरणों का अध्ययन करने पर पता चला कि मूल किरणों के अलावा स्थित अंतर पर कमजोर तीव्रता की किरणें भी उपस्थित होती है। इन्हें रमन किरणें कहते हैं। यह किरणें कणों के कम्पन और धूर्णन की वजह से ऊर्जा में लाभ या हानि उत्पन्न करती है। इसका प्रयोग औषधि विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, खगोल विज्ञान तथा दूरसंचार क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण है।

आये दिन विज्ञान में हो रहे नये प्रयोगों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए देश में चार साइंस सिटी - कोलकता, लखनऊ, अहमदाबाद और कपूरथला में बनाई गई है जिसमें विज्ञान से जुड़ी 3डी फिल्में दिखाई जाती है। इनके अलावा देश के गुवाहाटी और कोट्टयाम में इसका निर्माण हो रहा है।

-नीति डेस्क

नेत्रदान-देहदान

भवानीमंडी, राजस्थान दक्षिण पूर्व : शहर में नेत्रदान के प्रति लोगों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है और अब किसी भी शुभ प्रसंग को नेत्रदान के संकल्प के साथ मनाने का एक चलन सा देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में नगरपालिका वार्ड नं 27 की पार्षद सुगना गुर्जर ने अपने सुपौत्र युवांश गुर्जर के जन्मदिवस पर नेत्रदान का संकल्प दिया गया। सेवा निवृत्त वरिष्ठ शिक्षिका मंगला गुप्ता ने शादी की 34वीं वर्षगाँठ को नेत्रदान और अंगदान का संकल्प लेकर मनाई। अंगदान एवं नेत्र दान के लिए पति रमेशचन्द्र गुप्ता और पुत्री न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. प्रिया गुप्ता ने उन्हें प्रेरित किया।

भवानीमंडी (राजस्थान दक्षिण पूर्व) भवानीमंडी जिला विकलांग संघ के पूर्व अध्यक्ष 55 वर्षीय सत्यनारायण जायसवाल के आकस्मिक निधन के बाद उनकी पत्नी कृष्णा जायसवाल द्वारा नगरपालिका पार्षद पिंटू जायसवाल एवं पत्रकार हेमन्त जायसवाल की प्रेरणा से नेत्रदान का पुण्य काम किया गया। शाइन इंडिया फाउण्डेशन के डॉ. कुलवंत गौड एवं सहायक रोहित ओझा द्वारा कोर्निया प्रान्त की गई।

भवानीमंडी : शाखा ने नेत्रदान में अर्धशतक का आंकड़ा छुआ। शहर की निजी विद्यालय की संचालिका संतोष चौधरी के देहावसान पर पुत्र रितेश चौधरी की सहमति से नेत्र प्रभारी कमलेश दलाल के सहयोग से शाइन इंडिया फाउण्डेशन के डॉ. कुलवंत गौड़ ने कोटा से कार द्वारा भवानीमंडी पहुँचकर कोर्निया प्राप्त की। नेत्रदान प्रक्रिया से प्रभावित होकर पुत्र रितेश ने भी नेत्रदान का संकल्प लिया और नेत्रदान कार्यों में सहयोग करने का आश्वासन दिया।

मदनगंज (राजस्थान मध्य) : शाखा ने नेत्रदान प्रकल्प के तहत सरदार मल दगडा पुत्र स्व. लक्ष्मी नारायण दगडा निवाली तेली मोहल्ला का देहावसान पर परिवारजनों की सहमति पर आई बैंक सोसायटी के भरत शर्मा एवं कुलदीप शर्मा द्वारा नेत्रदान प्रक्रिया पूरी की गई। नेत्रदान के लिए राजकुमार जैन, जिनेश जैन ने दगडा परिवार को प्रेरित किया। नेत्रदान के उषा दगडा पत्नी पुलकित दगडा, चेतन प्रकाश, नवनीत, मुकेश, नितिन, विकास दगडा व योगेश, अरविन्द गुप्ता व दगडा परिजनों का सराहनीय सहयोग रहा।

मदनगंज किशनगंज : शाखा की प्रेरणा से पारस कंवर धर्मपत्नी ताराचंद बंट के निधन पर एक जोडा नेत्रदान ब्यावर जाकर सम्पन्न कराया गया। नेत्र दान प्रक्रिया में राजकुमार जैन एवं दृष्टि नेत्र संस्थान ब्यावर के सहयोग से आई बैंक सोसायटी के भरत शर्मा एवं कुलदीप शर्मा द्वारा नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की गई। नेत्रदान के लिए तारा चन्द बंट, विनय बंट, राजू पालावत, एस.एन.शर्मा, पंकज बंट एंव बंट परिवार का पूर्ण सहयोग रहा।

RNI No. 19789/70 No. G-3 DL-(N)-112/2021-2023 Licensed to post without pre payment No. U (DN)-91/2021-22 Date of Printing 22.1.2022
Dates of Posting 27 & 28 January, 2022 from Ashok Vihar H.O. Delhi

किशनगढ़ : शाखा की प्रेरणा से नवीन अग्रवाल सुपुत्र राज किशोर अग्रवाल के निधन पर परिवारजनों की सहमति पर आई बैंक सोसायटी के भरत शर्मा एवं कुलदीप शर्मा द्वारा नेत्रदान प्रक्रिया पूरी की गई। जिससे दो नेत्रहीनों को रोशनी प्रदान की जाएगी।

ब्यावर : शाखा की प्रेरणा से सुशीला डोसी पत्नी कांतिलाल डोसी के निधन पर परिवारजनों की सहमति पर आई बैंक सोसायटी के चिकित्सकों के सहयोग से नेत्रदान प्रक्रिया पूरी की गई। जिससे दो नेत्रहीनों को रोशनी प्रदान की जाएगी।

शामगढ़ (मध्य भारत पश्चिम): नगर के अनाज व्यापारी कैलाशचन्द मुजाबदिया की धर्मपत्नी एवं राजेश नागेश मुजावदिया की पूज्य माता प्रेमलता बाई के स्वर्गवास पर परिवार की सहमति से चिकित्सा प्रभारी डॉ. अमित धनोतिया एवं दृष्टि दोष विशेषज्ञ ओमेश गहलोत ने नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की। इनकी कोर्नियाँ को गोमाबाई नेत्रालय नीमच पहुँचाए गए जिससे दो नेत्रहीनों को रोशनी प्रदान की जाएगी। इस सत्र का शाखा तीसरा नेत्रदान रहा।

शामगढ़ : नगर के वरिष्ठ इलेक्ट्रिक व्यापारी देवेन्द्र गोयल के निधन पर उनके बड़े भाई राधेश्याम गोयल, पुत्र शलभ गोयल एवं परिवार के अन्य सदस्यों की सहमति से शाखा के सहयोग से वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अमित धनोतिया एवं दृष्टि दोष विशेषज्ञ गहलोत ने सफलतापूर्वक नेत्र उत्सर्जन का कार्य कर नेत्र चिकित्सालय नीमच को भेजे गए जहाँ दो लोगों को रोशनी प्रदान होगी।

कोटा (राजस्थान दक्षिण पूर्व) : बजरंग नगर आदित्य आवास निवसी 72 वर्षीय कैलाश गुप्ता के रूप में भारत विकास परिषद् आई बैंक को पहला नेत्रदान प्राप्त हुआ। प्रान्तीय प्रकल्प प्रभारी किशन पाठक ने बताया कि शिवाजी कोटा शाखा के सदस्य कैलाश गुप्ता पुत्र राम नारायण के देवलोक गमन होने की जानकारी उनके परिजनों ने प्रान्तीय कार्यालय प्रभारी शिवानन्द शर्मा को दी। प्रकल्प प्रभारी को सूचना प्राप्त होने पर आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान कोटा चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. के.के. कंजोलिया से सम्पर्क किया और नेत्रदान प्रक्रिया हेतु टेक्नीशियन टिंकू ओझा के सहयोग से कोर्निया प्राप्त की गई। सेवा संस्थान कोटा शीघ्र ही आई बैंक की स्थापना करने हेतु प्रयासरत है।

भारत विकास परिषद् के सम्मानीय सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन प्रौढ, संस्कार प्रकल्प (2007-2009) ई. अमूल्य रत्न प्रसाद सिन्हा का निधन हो गया। सौम्य, सरल, मिलनासर, निर्भिक व संगठन को समर्पित व्यक्तित्व अमूल्य रत्न प्रसाद सिन्हा जी शाखा स्तर, प्रान्त स्तर, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पदों का निवर्हन किया एवं परिषद् से जुड़कर समाज सेवा करते रहे। उनके दुःखद निधन से हम सभी को बहुत गहरा दुःख हुआ। यह एक अपूर्णीय क्षति है। परिषद् उनके द्वारा किये गये कार्यों को हमेशा याद रखेगा।
पता : प्रो. अरुण कुमार सिन्हा, पटना (बिहार) मो. 9430001908

Published & Printed by Shyam Sharma for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034
Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: DEEYA MEDIA ART, D-41/A, Opposite Metro Pillar No.33, Laxmi Nagar, Vikas Marg, Delhi-110092, Ph.: 9312550335